हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 207 बेमेतरा, रविवार 22 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत साल का पौधा रोपित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, जहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है तथा अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। साय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इस कमी को दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने तिलहन विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के माध्यम से उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में संचालित 28 कृषि महाविद्यालयों, 27 कृषि विज्ञान केंद्रों एवं अनुसंधान संस्थानों के जरिए हर वर्ष लगभग 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

उम्मीद है दुनिया में युद्ध के बादल छटेंगे,आयेगा शांति का दौर: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईद के मौके पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए देश-दुनिया में अमन और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि दुनिया में जिस तरह से युद्ध का माहौल बना हुआ है, वह जल्द समाप्त होगा और शांति का दौर आएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो अपने देश के लिए शहीद होता है, उसे हमेशा लोगों के दिलों में याद किया जाता है। इस दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मथुरा में साधु के साथ हुए व्यवहार, काशी में छात्र की गोली मारकर हत्या और गोरखपुर की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बेईमान जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। और गंगा से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

मुख्य चुनावी राज्यों में ईवीएम-वीवीपीएटी के रैंडमाइजेशन का प्रथम चरण संपन्न

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल इकाइयों के रैंडमाइजेशन का पहला चरण पूरा कर लिया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक ईवीएम का आवंटन पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक सख्त दो-स्तरीय रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत किया जाता है।

ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का निधन

नयी दिल्ली। प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का शनिवार सुबह हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह मायाधर राउत की पुत्री थीं, जिन्होंने शास्त्र आधारित ज्ञान के माध्यम से 1950 के दशक में ओडिसी नृत्य के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। ओडिसी नृत्य को बढ़ावा देने के लिए राउत को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए थे।

मुर्मु, राधाकृष्णन और मोदी ने देशवासियों को ईद उल फित्र की शुभकामनाएं और बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईद-उल-फ़ित्र के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई दी हैं।

मुर्मु ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में कहा, ईद-उल-फ़ित्र के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम बहनों और भाइयों को हार्दिक बधाई। यह त्योहार आत्मसंयम, सेवा, परोपकार एवं वंचित वर्गों के प्रति दया का भाव रखने की सीख देता है। आइए इस अवसर पर हम समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ईद मुबारक! यह पावन अवसर आशा, सौहार्द और करुणा की प्रेरणा दे और आनंद तथा सफलता लेकर आए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ईद-उल-फित्र की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पावन अवसर हमारे समाज में भाईचारे और दया की भावना को और मजबूत करे। सभी के सुख और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। ईद मुबारक!

यह पर्व रमज़ान के पवित्र महीने के समापन के बाद चांद दिखने पर मनाया जाता है।

हैदराबाद से सरगुजा तक फैला नशे का नेटवर्क ध्वस्त, मास्टरमाइंड समेत सात आरोपी गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चिरमिरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय कुख्यात रसल एक्का गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पूरे नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में गिरोह के मास्टरमाइंड समेत कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यह गिरोह एटीएम और डिजिटल ट्रांजेक्शन के जरिए नशीले इंजेक्शनों के अवैध कारोबार का पैसा संचालित कर रहा था। इस तरीके से न सिर्फ सप्लाई चेन, बल्कि पूरे फाइनेंशियल नेटवर्क को भी छुपाया जा रहा था। जांच में सामने आया कि नशे का सामान हैदराबाद से सरगुजा संभाग तक सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने पहले कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड रसल एक्का को रायपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया।उसकी निशानदेही पर पुलिस ने वैंदला वासु (हैदराबाद), रजत कुमार (सूरजपुर) को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरोह का तरीका बेहद शातिर था। नशीले इंजेक्शनों की बिक्री से मिली रकम को एटीएम ट्रांजेक्शन के जरिए अलग-अलग खातों से निकालकर नेटवर्क में बांटा जाता था।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) पर वीवीआईपी मूवमेंट की तैयारियां तेज, प्रशासन अलर्ट

गौतमबुद्ध नगर। प्रस्तावित वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में जिला गौतमबुद्धनगर पुलिस आयुक्त और यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और पार्किंग व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा शनिवार को यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने, यातायात प्रबंधन को सुचारु बनाने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हेलीपैड से लेकर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक हर गतिविधि पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए, ताकि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इसके अलावा कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, प्रोटोकॉल और समन्वय में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने पुलिस, ट्रैफिक, स्वास्थ्य, अग्निशमन और अन्य विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही आपातकालीन सेवाओं को भी पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

ईरान से जंग के बीच राहत, भारत को जल्द मिल सकते हैं और 2 और एलपीजी टैंकर, चल रही यह बड़ी तैयारी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के मध्य अब भारत को जल्द ही द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस से भरे 2 और टैंकर मिल सकते हैं। खबरों के मुताबिक, भारतीय ध्वज वाले 2 द्रवीकृत एलपीजी टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। यह कदम जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के बीच उठाया गया है। 'पाइन गैस' और 'जग वसंत' नामक ये जहाज वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह के पास लंगर डाले हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने खाड़ी क्षेत्र में अपने बेड़े की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत आने वाले LPG टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विश्व नेताओं से लगातार बातचीत कर रहे हैं। बता दें कि 'जग वसंत' को भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने किराए पर लिया है, जबकि 'पाइन गैस' का संचालन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड करती है।

राधाकृष्णन और मोदी ने देशवासियों को नवरोज की शुभकामनाएं दी

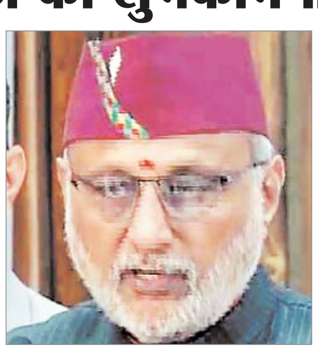

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पारसी नववर्ष 'नवरोज' के पावन अवसर पर लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। राधाकृष्णन ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में अपने संदेश में कहा, नवरोज़ के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। यह नववर्ष सभी के लिए अपार सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, नवरोज़ के विशेष अवसर पर शुभकामनाएं। कामना करता हूँ कि यह नया वर्ष सुख-समृद्धि और हर्षोल्लास से परिपूर्ण हो। सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे और सबकी आकांक्षाएं पूरी हों। नवरोज़ मुबारक!

नवरोज पारसी नववर्ष का उत्सव है, जिसे दुनिया भर में ईरानी और पारसी समुदायों द्वारा मनाया जाता है। नवरोज शब्द का अर्थ है नया दिन।

अराघची ने ईरान के खिलाफ आक्रामकता के लिए ब्रिटेन के ठिकानों के अमेरिकी इस्तेमाल की निंदा की

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, ब्रिटिश ठिकानों को ईरान के खिलाफ हमले के लिए इस्तेमाल करने की इजाज़त देकर अपने देशवासियों की जान को खतरे में डाल रहे हैं।

अराघची ने कहा ब्रिटेन सरकार ने शुक्रवार को ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमले के लिए अमेरिका को ब्रिटेन के ठिकानों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी।

अराघची ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ज़्यादातर ब्रिटिश लोग, ईरान पर इज़राइल-अमेरिका की अपनी मर्ज़ी की जंग में कोई हिस्सा नहीं लेना चाहते। अपने ही लोगों की अनदेखी करते हुए, मिस्टर स्टारमर ब्रिटेन के ठिकानों को ईरान के खिलाफ हमले के लिए इस्तेमाल करने की इजाज़त देकर ब्रिटिश लोगों की जान खतरे में डाल रहे हैं।

स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ पश्चिम एशिया संकट पर की बात

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में निरंतर गहराते संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से बातचीत की और उन्हें ईद तथा नवरोज की शुभकामनाएं देने के साथ-साथ क्षेत्र की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा की। बातचीत के बाद मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें। मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से बातचीत की और ईद तथा नवरोज की शुभकामनाएं दीं। हमने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आए। क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हुए हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें। ईरान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए ईरान के निरंतर समर्थन की सराहना की। उल्लेखनीय है कि ईरान पर अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद उपजे संकट के दौरान पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति के साथ दूसरी बार बात की है। इससे पहले उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति के साथ गत 12 मार्च को बात की थी। उस समय उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, नागरिकों की मौत और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। प्रधानमंत्री ने युद्ध के बजाय बातचीत और कूटनीति से मुद्दों के समाधान का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले पिछले दो दिनों के दौरान पश्चिम एशिया के अनेक देशों के शीर्ष नेतृत्व तथा फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ भी पश्चिम एशिया संकट के बारे में बात की है।

यूएनआई मुख्यालय के पत्रकारों-कर्मचारियों को पुलिस ने बलपूर्वक बाहर निकाला, परिसर सील

देवरिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा है कि देश की प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी यूनाइटेड न्यूज आफ इंडिया (यूएनआई)के दिल्ली दफ्तर को बिना पूर्व नोटिस दिये बगैर खाली कराना और पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार लोकतंत्र की हत्या है। सिंह ने कहा, शुक्रवार शाम एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के दिल्ली परिसर को दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ पत्रकारों कर्मचारियों पर बल प्रयोग करके खाली कराने का समाचार सुनकर हैरान हूं। देश की सर्वश्रेष्ठ संवाद समिति के दफ्तर को बिना नोटिस दिये अचानक भारी पुलिस फोर्स के साथ खाली कराना लोकतंत्र की हत्या है। यूएनआई न्यूज रूम से पत्रकारों को जबरिया बाहर करना अराजकता की श्रेणी हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले कई दशकों से संसद मार्ग के पास 9 रफी मार्ग पर स्थित परिसर से यूएनआई का संचालन हो रहा था। दिल्ली उच्च न्यायालय में शहरी विकास मंत्रालय द्वारा आवंटन रद्द होने के बाद लंबित याचिका पर शुक्रवार को फैसला आने के बाद कुछ घंटों बाद आनन फानन में कुछ सरकारी अधिकारी बिना किसी पूर्व नोटिस के दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 300 जवानों एवं अफसरों और कुछ वकीलों के साथ परिसर में घुस आये और वहां कार्यरत पत्रकारों एवं अन्य कर्मचारियों से तुरंत न्यूजरूम खाली कर परिसर से बाहर जाने का दबाव डालने लगे जबकि उस समय खबरें प्रेषित करने का काम सबसे ज्यादा था।

धमधा में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न, कार्यकर्ताओं को दी गई संगठन व तकनीक की जानकारी

धमधा /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल धमधा द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम धमधा स्थित श्री कृष्ण पैलेस में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यशाला के दौरान कार्यकर्ताओं को भाजपा की रीति-नीति, कार्यप्रणाली, इतिहास और वैचारिक आधार के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्ब) और नमो ऐप के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण, भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय एवं राजकीय गीत के साथ प्रशिक्षण सत्रों की शुरुआत की गई। प्रशिक्षण के पहले दिन आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम संगठन को विचारधारा और कार्यपद्धति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। वहीं जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता की अपील की और कहा कि यहां से प्राप्त ज्ञान को बूथ स्तर तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। विभिन्न सत्रों में अलग-अलग विषयों पर वक्ताओं ने मार्गदर्शन दिया। तेखन सिन्हा ने कार्यपद्धति, शिवेंद्र परिहार ने सरकार की उपलब्धियों, दिलीप साहू ने भाजपा के इतिहास एवं विकास, कांतिलाल जैन ने कार्य विस्तार की रणनीति तथा राकेश साहू ने सोशल मीडिया, एआई और नमो ऐप के उपयोग पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री बनऊ वर्मा एवं छगन साहू ने किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता, मंडल पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व गृहमंत्री के साथ जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने भी किया ज्योति जवारा दर्शन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र जो कि उनका पुराना विधानसभा क्षेत्र भी रहा है में अपनी धार्मिक आस्था अनुरूप चैत्र नवरात्र के अवसर पर ग्राम खमरिया एम में ज्योति जवारा का दर्शन किया पूर्व गृहमंत्री के साथ जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा भी उनके साथ रहे पूर्व गृहमंत्री ने इस दौरान ग्राम सल्धा में भी ज्योति जवारा का दर्शन किया इसके पश्चात उन्होंने ग्राम स?डी में सिद्धि माता मंदिर में माता के दर्शन कर ज्योति जवारा का दर्शन किया तथा क्षेत्र वासियों के लिए खुशहाली की कामना की इस दौरान मंदिर समिति के लोगों ने भी पूर्व गृहमंत्री एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष से भेंट वार्ता की ज्ञात हो कि ताम्रध्वज साहू जब बेमेतरा के विधायक थे उसे समय से उनकी आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है प्रतिवर्ष की भांति हर नवरात्र पर्व पर अपना शीश झुकाने के लिए एवं माता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूर्व गृहमंत्री मंदिर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहे हैं कुछ यही स्थिति पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा की भी है वह भी समय-समय पर मंदिर में आकर अपना शीश झुकाते हुए अपनी मनोकामनाओं के साथ-साथ क्षेत्र की खुशहाली के लिए माता के समक्ष नतमस्तक होते रहे हैं ज्ञात होगी कांग्रेस शासन के कार्यकाल में ही मंदिर तक पहुंच मार्ग का निर्माण किया गया साथ ही साथ इस मार्ग का चौड़ीकरण भी किया गया है जिससे प्रतिवर्ष बढ़ती हुई भीड़ को नियंत्रित किया जा सके क्षेत्र के लोगों के आस्थाओं को देखते हुए पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू जो कि तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री भी थे ने अपने विभाग के द्वारा मंदिर क्षेत्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है वैसे ही पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने भी अपने विधायक कार्यकाल में मंदिर क्षेत्र के विकास के लिए अपने विधायक निधि सहित अन्य मदों से भी विकास के लिए राशि उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी पूर्व मंत्री के साथ आज जिला पंचायत सदस्य शशि प्रभा गायकवाड़ हरीश साहू पूर्व जिला पंचायत सदस्य टी आर साहू छगन साहू तारण निर्मलकर सहित मंदिर समिति के सदस्य भी शामिल रहे ।

कुसुम बघेल बनीं भीम आर्मी रायगढ़ जिला अध्यक्ष

रायगढ़/मूक पत्रिका

भीम आर्मी रायगढ़ जिला गठन के अंतर्गत सतनाम भवन, कांशीराम चौक, रायगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में सुश्री कुसुम बघेल को भीम आर्मी रायगढ़ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी यह नियुक्ति भीम आर्मी छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रामस्वरूप महिलांगे जी के हाथों संपन्न हुई।

विदित हो कि कुसुम बघेल पूर्व में भी रायगढ़ की वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर चुकी हैं। वे भीम आर्मी के प्रत्येक आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेती रही हैं। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय और प्रमुख भागीदारी रही है। उनकी दमदार भाषण शैली, प्रबल नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सरोकारों के प्रति सजगता तथा संगठन के प्रति समर्पण जैसे गुणों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। भीम आर्मी रायगढ़ में लंबे समय से ऐसे प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अपनी विचारधारा पर अडिग रहे, अत्याचार की घटनाओं पर किसी प्रकार का समझौता न करे तथा अपने नेतृत्व में संगठन का विस्तार कर सके। इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कुसुम बघेल को एक मजबूत, कर्मठ और गुणी नेतृत्वकर्ता के रूप में रायगढ़ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भीम आर्मी रायगढ़ का विस्तार और अधिक मजबूती के साथ होगा तथा सामाजिक न्याय, सम्मान और अधिकार की लड़ाई को नई दिशा मिलेगी।

22 मार्च को अवकाश में भी होगा रजिस्ट्री का काम

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

नागरिकों को रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए छत्तीसगढ़ के सभी रजिस्ट्री ऑफिस रविवार 22 मार्च, शनिवार 28 मार्च, रविवार 29 मार्च तथा मंगलवार (महावीर जयंती) 31 मार्च को भी सामान्य कार्यदिवसों की तरह खुले रहेंगे। इन तिथियों में दस्तावेजों के पंजीयन सहित अन्य सभी संबंधित सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहेंगी।शासन के इस निर्णय का उद्देश्य नागरिकों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे अपने लंबित पंजीयन कार्यों को समय पर पूरा कर सकें। विशेष रूप से वित्तीय वर्ष की समाप्ति के मद्देनज़र इन दिनों में पंजीयन कार्यों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। जारी निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में पंजीयन कार्यों का सुचारू एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके, इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य के सभी रजिस्ट्री ऑफिस चयनित अवकाश दिवसों में भी संचालित किए जाएंगे। राज्य सरकार ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष सुविधा का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथियों में अपने पंजीयन संबंधी कार्यों का निष्पादन कराएं, जिससे अनावश्यक भीड़ और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

15 दिन में चौथा मामला, प्रदेश में बढ़ रही अफीम खेती चिंता

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध अफीम की खेती का बड़ा मामला सामने आया है। तमनार ब्लॉक के आमाघाट क्षेत्र में करीब डेढ़ एकड़ जमीन पर अफीम की फसल उगाई जा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए अवैध खेती को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस खेती को झारखंड के एक व्यक्ति के माध्यम से कराया जा रहा था। पुलिस ने मौके से मार्शल सांगां नामक आरोपी को हिरासत में लिया है, जो झारखंड का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गहराई से जांच की जा रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। गौरतलब है कि प्रदेश में पिछले 15 दिनों के भीतर अफीम की खेती पकड़े जाने का यह चौथा मामला है। इससे पहले 7 मार्च को दुर्ग, 10 मार्च को बलरामपुर के कुसमी और 12 मार्च को बलरामपुर के कोरंधा में भी अवैध अफीम की खेती सामने आ चुकी है।

रविवार को होगा उल्लास महापरीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सारंगढ़ बिलाईगढ़ डॉ संजय कन्नौजे के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत जिले में 22 मार्च रविवार को उल्लास महापरीक्षा अभियान आयोजित की जाएगी।

आबकारी आरक्षक भर्ती का चयन परिणाम जारी, 200 अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा आबकारी आरक्षक पद हेतु छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा (क्र25) के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना पत्र जारी किया गया है। जारी सूचना के अनुसार व्यापम द्वारा प्रकाशित मेरिट सूची के आधार पर विभाग में दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मापदंड में पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से 200 अभ्यर्थियों का चयन करते हुए मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इसके साथ ही 43 अभ्यर्थियों की अनुपूरक सूची भी जारी की गई है। विभाग द्वारा बताया गया है कि यह चयन परिणाम कार्यालयीन पत्र क्रमांक /आब./स्था.(आरज)/2026/2421, दिनांक 19 मार्च 2026 के माध्यम से जारी किया गया है। चयन परिणाम तैयार करते समय व्यापम द्वारा उपलब्ध कराए गए मूल डाटा को आधार बनाया गया है। यदि परिणाम में अंकन, टंकण, मुद्रण या प्रक्रिया संबंधी किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो उपलब्ध मूल डाटा के आधार पर चयन परिणाम में संशोधन किया जा सकेगा।

07 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर- आबकारी आयुक्त कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जारी चयन परिणाम के संबंध में यदि किसी अभ्यर्थी को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी है तो वे सूचना पत्र जारी होने की तिथि से 07 दिवस के भीतर कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़ में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अभ्यर्थी वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.) भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, पिन कोड-492002 में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या विभागीय ई-मेल e&cise.comm.cg@gov.in पर आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन भेज सकते हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, नेशनल हाईवे से हटे अवैध कब्जे

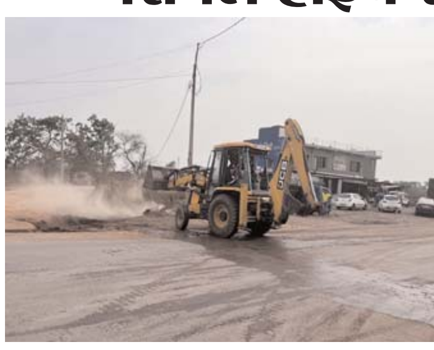

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के नेशनल हाईवे मार्ग पर हो रही सड़क दुर्घटनाओं के दृष्टिगत कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा सुरक्षा समिति का बैठक में सुकली चौक, मुनंद चौक, खोखरा अंबेडकर चौक एवं पिसौद चौक के नेशनल हाईवे मार्ग पर अवैध कब्जा हटाने के लिए निर्देशित किया गया था। उक्त स्थानों पर कब्जा होने से दृष्टि बाधित होने के कारण सड़क दुर्घटना होने की संभावना बना रहता था। जिला परिवहन अधिकारी गौरव साहू ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग एवं निमार्ण एजेंसी द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हुए सुकली चौक, मुनुंद चौक, खोखरा अंबेडकर चौक एवं पिसौद चौक के नेशनल हाईवे मार्ग पर किये गये अवैध कब्जा को हटाने का कार्रवाई किया गया। प्रतिमाह कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली जाती है। जिसमें निमार्ण एजेंसी को ब्लैक स्पॉट/अन्य दुर्घटनाजन्य क्षेत्र में आवश्यक इंजीनियरिंग सुधार हेतु निर्देश दिए जाते है। पुलिस एवं परिवहन विभाग को मोटरयान अधिनियम के तहत् यातायात नियमों को पालन नहीं करने वालों पर अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए जाते है। मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी जांजगीर-चांपा को दुघर्टना के दौरान त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जाता है। जिसे सड़क में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सके।

आकाशीय बिजली का कहरः दो अलग-अलग स्थानों पर छात्र-छात्रा की दर्दनाक मौत, गांवों में मातम

जगदलपुर/बस्तर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग) - बस्तर जिले में बीते शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने की दो अलग-अलग घटनाओं में एक छात्रा और एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। इन घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। पहली घटना बकावंड ब्लॉक के ग्राम पंचायत सतोष के हिरलागुड़ा पारा में हुई, जहां कक्षा सातवीं की छात्रा कु. लालती कश्यप आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। वह चतुर कश्यप और नीलावती कश्यप की पांच संतानों में दूसरे नंबर की पुत्री थी। घटना करपावंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बकावंड मर्च्यूरी भेजा। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं दूसरी घटना बस्तर विकासखंड के ग्राम पंचायत झारतरई में हुई। सिद्धार्थ बघेल, जो लामकेर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 11वीं का छात्र था, बीते शुक्रवार दोपहर अपने साथियों के साथ मवेशी चराने गया था। हल्की बारिश के दौरान वह पेड़ के नीचे बैठा हुआ था, तभी अचानक तेज गरज-चमक के साथ बिजली गिर गई और वह इसकी चपेट में आ गया। घटना में उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दोनों ही घटनाएं बेहद हृदय विदारक हैं। कम उम्र में बच्चों की इस तरह असमय मौत से दोनों परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांवों में शोक का माहौल है और पूरे क्षेत्र में इसे अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है।

'स्वस्थ मुंह, खुशहाल जीवन' थीम पर मनाया गया विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस, 288 बच्चों का हुआ मुख स्वास्थ्य परीक्षण

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में शिविर आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

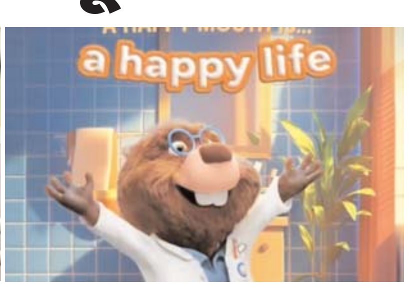

बेमेतरा जिला स्वास्थ्य विभाग,विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस 20 मार्च 2026 के अवसर पर बेमेतरा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में मुख स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू, राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (ह्ल्ह्रक्क) के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विजया रमन के सक्रियता पर यह आयोजन शासकीय नवीन प्राथमिक शाला बेमेतरा वार्ड 11, वार्ड 21,शंकुल केंद्र पीकरी बेमेतरा एवं आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड 18 में किया गया। इस अवसर पर कुल 288 बच्चों का मुख स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें सही तरीके से ब्रश करने के फायदे बताए गए । इस वर्ष के विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस की थीम "A Happy MOUTH IS A HAPPY LIFE" को ध्यान में रखते हुए नोडल एवं जिला चिकित्सालय बेमेतरा के दंत चिकित्सक डॉ. विजया रमन एवं डेंटल असिस्टेंट राजेश शर्मा ने बच्चों व शिक्षकों को मुख स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में मुख कैंसर की प्रारंभिक पहचान और बचाव को लेकर भी जागरूकता अभियान चलाया गया।

सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस (World Oral Health Day) हर साल 20 मार्च को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को मौखिक स्वच्छता (ह्रह्म्ड्डद्य ॥4द्दद्बद्गठ्ठद्ग) के प्रति जागरूक करना और दांतों की बीमारियों को रोकना है। 2013 से शुरू हुआ यह अभियान 'स्वस्थ मुँह, स्वस्थ शरीर' का संदेश देता है, क्योंकि मुख स्वास्थ्य का सीधा संबंध समग्र स्वास्थ्य से है। मुख स्वास्थ्य दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्यः मुख स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दांतों की बीमारियों के प्रति शिक्षित करना और रोकथाम के लिए प्रोत्साहित करना है । नोडल अधिकारी डॉ विजया रमन ने कहा कि इस दिवस को मनाने का इतिहास इसकी शुरुआत स्नष्ठद्ब वर्ल्ड डेंटल फेडरेशन द्वारा की गई थी और यह पहली बार 20 मार्च 2013 को मनाया गया था। इसका महत्वः यह दिन याद दिलाता है कि एक स्वस्थ मुँह न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रखता है। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस 2026 की थीमः ÷स्वस्थ मुंह, खुशहाल जीवन÷ है ।

सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने कहा कि यह आयोजन मुख रोगों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वर्ष भर चलने वाले एक बड़े अभियान की शुरुआत है। लोगों को हर 6 महीने में दंत चिकित्सक से जांच कराने और तंबाकू से दूर रहने की सलाह दी जाती है।

मुख स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और उनके दुष्प्रभाव-मुख स्वास्थ्य की अनदेखी से दांतों की सड़न, मसूड़ों में सूजन, खून आना, असमय दांतों का गिरना, मुंह से दुर्गंध, मुंह का कम खुलना, गर्म एवं मसालेदार भोजन में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं में यह समस्या कुपोषण, समयपूर्व प्रसव, गर्भपात, नवजात में जन्मजात विकृतियां, मानसिक कमजोरी, अंधापन, बहरापन जैसी जटिलताओं को जन्म दे सकती है।

मुख कैंसर के सामान्य लक्षण

1. मुंह में लंबे समय तक छाले (2 सप्ताह से अधिक)
2. मसूड़ों और जीभ पर सफेद या लाल चकत्ते
3. मुंह का कम खुलना (3 उंगलियों से कम)
4. खाने का स्वाद महसूस न होना
5. आवाज में भारीपन या बदलाव
6. मसूड़ों, जबड़े, जीभ या गले में सूजन
7. मुंह में लंबे समय से न भरने वाला घाव

तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श और इलाज

तंबाकू की लत से छुटकारा पाने के लिए जिला चिकित्सालय बेमेतरा में स्थापित तंबाकू नशा मुक्ति केंद्र में परामर्शदाता गोविंद सिंह से उचित परामर्श ले सकते हैं एवं निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (NRT) तथा अन्य चिकित्सीय उपाय भी उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्ति इस सुविधा का लाभ लेकर अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

नशे के सौदागर पर कानून का शिकंजा – 12 साल की सख्त कैद और भारी जुर्माना

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के बहुत चर्चित नशीली दवा कांड। जी हाँ घरघोड़ा में नशीली दवा के बड़े खेप को पकड़ने में घरघोड़ा पुलिस कि सफलता मिली थी जिसमे न्यायालय ने आरोपी को 12 साल कि कड़ी सजा सुनाई है। घरघोड़ा क्षेत्र में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध पुलिस और न्यायपालिका ने एक बड़ा सन्देश दिया है । विशेष न्यायालय (NDPS एक्ट) रायगढ़ ने प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की तस्करी के मामले में आरोपी दीपक वारे (24 वर्ष) को दोषी करार देते हुए 12 वर्ष के कठोर कारावास और 1.20 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह सफलता एसडीओपी धरमजयगढ़ के दिशा-निर्देशों तत्कालीन थाना प्रभारी शरद चन्द्र सउनि राजेश मिश्रा के सटीक विवेचना का परिणाम है। 06 दिसंबर 2023 को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर थाना प्रभारी शरद चन्द्रा ने तत्काल टीम गठित किया। सउनि राजेश मिश्रा के नेतृत्व में आरक्षक उद्यो पटेल, आर प्रहलाद भगत अन्य कि टीम ने आरोपी के घर पर योजनाबद्ध तरीके से घेरबंदी कर दबिश दी, जिससे आरोपी को संभलने का मौका नहीं मिला। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1140 बोतल (114 लीटर) ONEREX कफ सिरप बरामद की गई, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 1.93 लाख रुपये आंकी गई थी। जब्त सिरप में 'कोडीन फॉस्फेट' जैसे प्रतिबंधित तत्व पाए गए, जिनका उपयोग नशे के रूप में किया जाता है। ?अदालत में टिक नहीं सकी बचाव पक्ष की दलीलें ?थाना प्रभारी शरद चन्द्रा के नेतृत्व में सउनि राजेश मिश्रा ने केस की विवेचना (Investigation) को इतना मजबूत रखा कि न्यायालय में आरोपी का बचना नामुमकिन हो गया। पुलिस ने पंचनामा, सीलिंग, सैंपलिंग और फॉरेंसिक जांच की प्रक्रियाओं को एनडीपीएस एक्ट के कड़े नियमों के तहत पूरा किया।मामले में कुल 11 गवाह पेश किए गए। अदालत ने पुलिस अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहों के साक्ष्यों को पूरी तरह विश्वसनीय माना। विशेष न्यायाधीश (NDPS एक्ट) ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि आरोपी के पास 'व्यावसायिक मात्रा' (Commercial Quantity) में नशीला पदार्थ मिलना समाज के लिए गंभीर खतरा है। न्यायालय ने धारा 21(C) NDPS एक्ट के तहत 12 साल की जेल की सजा सुनाई। जुर्माना न भरने पर 1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया।

अवैध मादक पदार्थ खेती पर प्रशासन सख्त : घरघोड़ा–तमनार में वृहद ड्रोन सर्वे

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

अवैध मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) दुर्गा प्रसाद अधिकारी के नेतृत्व में आज घरघोड़ा एवं तमनार क्षेत्र में राजस्व, पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा व्यापक स्तर पर ड्रोन सर्वे कराया गया। इस अभियान के तहत राजस्व विभाग के पटवारी और कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने खेतों में पहुंचकर जमीनी निरीक्षण भी किया। प्रशासन की टीम ने संदिग्ध क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए हर गतिविधि पर नजर रखी।

ड्रोन सर्वे के दौरान घरघोड़ा तहसील के बैहामुडा, भेंगारी, पाकादरहा, पानीखेत तथा तमनार तहसील के आमापाली, राबो, गढ़गांव और हरापल्ली गांवों को कवर किया गया। आधुनिक तकनीक के जरिए खेतों की बारीकी से जांच की गई, ताकि किसी भी अवैध खेती का पता लगाया जा सके। एसडीएम दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुहिम के तहत आगे भी ड्रोन सर्वे लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाई-वोल्टेज ड्रामाः 'उड़ने की आशा' और 'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के महामिलन ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

स्टार प्लस हमेशा अपने शानदार महासंगम इवेंट्स के जरिए परिवारों को करीब लाता रहा है, और इस बार यह और भी बड़ा, धमाकेदार और हाई-वोल्टेज ड्रामे से भरपूर होने वाला है!

जित मुम्बई/मूक पत्रिका

तैयार हो जाइए 'देशमुख महासंगम' के लिए, जहाँ दो अलग-अलग कहानियाँ एक ही छत के नीचे टकराने वाली हैं। इसमें 'उड़ने की आशा' से सचिन और साइली, 'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के शिवप्रसाद और शालिनी के साथ नज़र आएंगे। देशमुख कजिन्स होने के नाते ये दोनों परिवार एक-दूसरे से जुड़े तो हैं, लेकिन इनका साथ आना इतना आसान नहीं होने वाला। जो शुरुआत में एक प्यारा सा फैमिली रीयूनियन लग रहा था, वह जल्द ही एक अनपेक्षित मोड़ ले लेता है। प्रोमो में इस आने वाले तूफान की एक झलक दिखाई गई है, जहाँ सिर्फ बातें नहीं हो रही हैं, बल्कि एक-दूसरे को उकसाया जा रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच एक बहुत ही दिलचस्प पल सामने आता है। शिवप्रसाद और सचिन को तैयार होते देखा जा रहा है, और शालिनी और साइली उनके साथ रहकर उन्हें तैयार कर रही हैं। पर आखिर किसलिए? क्या यह कोई मुकाबला है? ईगो की जंग है? या फिर कुछ और भी ज़्यादा गंभीर??उनकी हर नज़र में एक चुनौती है और हर बात में एक गहरे टकराव का इशारा। हर पल एक ऐसे आमने-सामने के मुकाबले की तरफ बढ़ रहा है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा। जब इतने मज़बूत व्यक्तित्व वाले लोग एक साथ आते हैं, तो शांति की उम्मीद करना नामुमकिन है। भावनाओं के सैलाब और रिश्तों की इस परीक्षा के बीच, यह महासंगम ऐसा ड्रामा लेकर आने वाला है जो पहले कभी नहीं देखा गया।?पर असली सवाल तो अब भी वही है, जब ये देशमुख कजिन्स आखिरकार आमने-सामने आएंगे, तो क्या इनके पारिवारिक रिश्ते और मज़बूत होंगे या फिर सब कुछ पूरी तरह बिखर जाएगा?देखना न भूलें 'उड़ने की आशा - देशमुख महासंगम', इस सोमवार रात 8:30 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर!

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में विश्वनाथ पाव को मिला तीसरा स्थान

संकुल प्राचार्य पंचपारा, सी ए सी एवं शाला के शिक्षकों ने किये पुरस्कृत

पुसौर/मूक पत्रिका

युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, महान विभूतियों, और धर्म-कर्म के वैज्ञानिक आधार से परिचित कराने अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार या विद्या भारती द्वारा संचालित परीक्षा का आयोजन विकास खंड पुसौर मे आयोजित किया गया।

जिसका उद्देश्य छात्रों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उक्त परीक्षा मे शासकीय माध्यमिक शाला पंचपारा से विश्वनाथ पाव जिला स्तर मे तृतीय एवं विकास खंड स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर शाला, संकुल एवं विकास खंड का नाम रोशन किया है।

साथ ही विकास खंड स्तर पर शाला के अन्य दो छात्रा कु. सीमा पाव द्वितीय एवं कु. पूनम पाव तृतीय स्थान हासिल कर संस्था का नाम रोशन किये हैं। उक्त सफलता हेतु संकुल प्राचार्य श्रीमती चंद्रकांता खरे, प्रधान पाठक मा शा गुणमणी गुप्ता, प्रधान पाठक प्राथमिक शाला हेमसागर साव, सी ए सी श्रवण कुमार साव, शिक्षक दुरेंद्र नायक, जान्हवि देहरी, जानकी गुप्ता, जितेंद्र पटेल, नीतू प्रधान, नरेश चौहान, श्यामदयाल पटेल की उपस्थिति मे पुरस्कार राशि सह प्रमाण पत्र वितरण किया गया एवं बच्चों को उज्जवल भविष्य हेतु शुभाशीष प्रदान किये।

ट्रैफिक उल्लंघन पर लगातार कार्यवाही जारी, 28 प्रकरण में 15 हजार का जुर्माना

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

यातायात दल द्वारा सारंगढ़ शहर के भारत माता चौक से सूरज होटल, मित्तल मेडिकल और मेन रोड किनारे अव्यवस्थित खड़े किये वाहनों नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर शनिवार को ऑनलाइन मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमें 28 प्रकरण 15 हजार ? की चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक श्याम प्रधान, मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती पड़ी भारीः नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी पुणे से गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर ब्लॉक चारामा सोशल मीडिया के मायाजाल में फंसाकर नाबालिगों को शिकार बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ कांकेर पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। चारामा पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार कर लिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब दिसंबर 2025 में प्रार्थी ने थाना चारामा में अपनी नाबालिग पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरानजब नाबालिग को बरामद किया गया, तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सौरभ उर्फ बिट्टू शर्मा ने इंस्टाग्राम के जरिए उससे दोस्ती की और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया, जहाँ उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था।

पुणे में छिपा था आरोपी, साइबर सेल ने दबोचा-पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के कड़े निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के पुणे में ट्रैक की गई। पुलिस टीम ने तत्काल पुणे दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपी का नाम सौरभ उर्फ बिट्टू शर्मा उर्फ नीलेश (उम्र 20 वर्ष)पिता अनुज लाल वासुदेव निवासी ग्राम बाहरी, जिला सीधी (मध्य प्रदेश) आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 137(2), 64, 64(2) (ड) एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

कांकेर सिन्धी समाज द्वारा 'सुनहरे कदम' कार्यक्रम का भव्य आयोजनः व्यंजनों और संगीत का संगम

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :- कांकेर पूज्य सिन्धी पंचायत के तत्वावधान में 'सुनहरे कदम' महिला इकाई द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक एवं व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने भारी उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य झलकियां: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश आहूजा द्वारा विशेष वादन (विशिल बजाकर) के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति जैसे पूर्व राजा देवनानी , पूर्व दिलीप खटवानी , और युवा विंग के अध्यक्ष सोनू गिडलानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को तीन मुख्य श्रेणियों में बांटा गया था, जिसमें निर्णायक मंडल (जज) की भूमिका शांति असरानी, सुहानी लालवानी, नेहा हिरदानी और प्राची बुधवानी ने निभाई।

विजेताओं की सूचीः

टेस्ट में बेस्टः

प्रथमः अनीता बजाज

द्वितीयः टिशा मोटवानी

तृतीयः महक अंदानी एवं नेहा आहूजा

बेस्ट हाइजीनः

प्रथमः साक्षी गिडलानी

द्वितीयः मीना लोहानी

तृतीयः ऐश्वर्या भाषवानी

बेस्ट सेलरः मीना लोहानी

विशेष सम्मानः स्मिता खटवानी को उनकी बेहतरीन प्रस्तुति के लिए 'बेस्ट हाइजीन' और 'बेस्ट टेस्ट' के विशेष खिताब से नवाजा गया।

सहयोग और उत्साहः

कार्यक्रम को सफल बनाने में राजकुमार फब्रयानी जी ने सभी प्रतिभागियों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया। कूपन वितरण की सुचारू व्यवस्था प्रेम फब्रयानी और सुनील भाषवानी द्वारा संभाली गई। शाम का समापन मधुर संगीत संध्या और आनंद मेले के साथ हुआ, जिसका समाज के सभी परिवारों ने भरपूर लुत्फ उठाया।

सेवा मेंः सिन्ध समाज सुनहरे कदम, कांकेर।

कांकेर में RSS शताब्दी वर्ष पर 'प्रमुख जन गोष्ठी' आयोजित, एकता और राष्ट्रभाव का संदेश

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :- कांकेर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर कांकेर नगर स्थित बाफ्ना लॉन में 'प्रमुख जन गोष्ठी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पूजन के साथ हुई। मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली से पधारे अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख भारत भूषण जी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए राष्ट्र की एकता, संस्कृति और समाज में समरसता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर की धरती शांति, सादगी और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली के लिए जानी जाती है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने देश में बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रांत, भाषा और जाति के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशें हो रही हैं, जिन्हें समझकर सभी नागरिकों को एकजुट रहना चाहिए। ÷हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं, इसी भाव से राष्ट्र उन्होंने देश में बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रांत, भाषा और जाति के नाम पर समाज को बांटने की कोशिशें हो रही हैं, जिन्हें समझकर सभी नागरिकों को एकजुट रहना चाहिए। ÷हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं, इसी भाव से राष्ट्र को मजबूत बनाया जा सकता है,÷ उन्होंने कहा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रांत संघ चालक टोपलाल वर्मा जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने 'वसुधैव कुटुंबकम' के भाव को अपनाने, पर्यावरण संरक्षण, पारिवारिक मूल्यों को सशक्त करने और बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर संस्कार देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर जिले और नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 430 से 500 लोग उपस्थित रहे, जिनमें सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्वयंसेवक शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

अंतागढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाईः ट्रक हड़पने वाला शातिर ठग महाराष्ट्र से गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

अंतागढ़ आर्थिक तंगी और मजबूरी का फायदा उठाकर मेहनत की कमाई डकारने वाले एक आदतन अपराधी को अंतागढ़ पुलिस ने सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी साबिर अली को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब ग्राम पुजारीपारा (कोंडागांव) निवासी चरण कुमार, जो एक गरीब आदिवासी युवक है, ने अंतागढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। चरण ने अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए 2024 में फाइनेंस पर एक अशोक लीलैंड ट्रक (CG-04-MZ-3560) खरीदा था। किश्तें भरने के तनाव के बीच उसकी मुलाकात अंतागढ़ बस स्टैंड पर आरोपी साबिर अली से हुई। मीठी बातों में फंसाकर की धोखाधड़ी आरोपी साबिर अली ने खुद को परिवहन का बड़ा कारोबारी बताया और युवक को लालच दिया कि वह उसका ट्रक 6 महीने के लिए किराए पर ले लेगा। उसने प्रतिमाह 7000 किलोमीटर के हिसाब से 1,20,000 रुपये देने का वादा किया। झांसे में आकर युवक ने जनवरी 2025 में लिखित अनुबंध कर ट्रक उसे सौंप दिया। किराया तो दूर, ट्रक देने से भी किया इनकार अनुबंध के बाद आरोपी ने न तो किराया दिया और न ही अवधि समाप्त होने पर ट्रक वापस किया। जब प्रार्थी ने अपना ट्रक मांगा, तो आरोपी उसे धमकाने लगा कि - ÷ट्रक वापस नहीं दूंगा, जो करना है कर ले, पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा के कड़े निर्देशों और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अंतागढ़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पीछा किया और उसे चंद्रपुर (महाराष्ट्र) से धर दबोचा। जांच में पता चला कि आरोपी साबिर अली आदतन अपराधी है और महाराष्ट्र में भी उसके खिलाफ इसी तरह के धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। पुलिस टीमः इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक रमेश जायसवाल, उप निरीक्षक आलोक सुबोध, आरक्षक रंजीत ठाकुर और लखन हिडको की मुख्य भूमिका रही।

चांपा में श्री रामनवमी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन, 27 मार्च को निकलेगी शोभायात्रा

चांपा/मूक पत्रिका

नगर में श्री रामनवमी के पावन अवसर पर श्री रामनवमी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 27 मार्च 2026, शुक्रवार को आयोजित होगा। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसकी शुरुआत शाम 4 बजे से होगी।शोभायात्रा का आयोजन मेला मैदान, परशुराम चौक, चांपा में किया जाएगा।

शोभायात्रा रेलवे टैक्सी स्टैंड, बरपाली चौक, थाना चौक, सुभाष चौक, सदर बाजार, कदम चौक होते हुए नगर भ्रमण करते हुए पुनः परशुराम चौक पहुंचेगी। आयोजन के अंतर्गत शाम 5 बजे से जागरण (भजन संध्या), 6 बजे से दीपदान तथा 7 बजे से महाआरती का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के लिए बैठने की विशेष एवं अलग व्यवस्था की गई है।महोत्सव में विशेष आकर्षण के रूप में जीवंत झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जिनमें बाहुबली बजरंगबली (रौद्र रूप), भोलेनाथ (रौद्र रूप), नवमुखी काली माता, रामदरबार, अयोध्या की रामलीला सहित अनेक सुंदर धार्मिक झांकियां शामिल रहेंगी।आयोजन समिति ने नगरवासियों से अपील की है कि वे शोभायात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करें। साथ ही नागरिकों से अपने घरों के सामने दीपक जलाने एवं रंगोली सजाने का अनुरोध भी किया गया है।

आयोजन समिति ने समस्त नगरवासियों को नववर्ष, हिंदू नववर्ष, रामनवमी एवं हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। कार्यक्रम का आयोजन श्री रामनवमी महोत्सव आयोजन समिति, चांपा द्वारा किया जा रहा है।

संपादकीय

ताक पर मानवता-स्कूल और मासूमों को बनाया जा रहा निशाना

दुनिया भर में बढ़ते युद्धों के बीच मानवीय मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी हो रही है। काबुल, लेबनान, यूक्रेन और ईरान में अस्पतालों, स्कूलों और चिकित्सा सुविधाओं पर हमलों से बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए। जिनेवा कन्वेंशन के बावजूद ऐसे हमले जारी हैं।युद्ध के मौजूदा दौर में मानवीय मूल्यों को ताक पर रखा जा रहा है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हैं। हाल में यह इस तरह की अकेली घटना नहीं है।इस मामले में पाकिस्तान की दलील है कि उसने सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था। हालांकि यह उसकी अपनी करतूतों पर पर्दा डालने की एक नाकाम कोशिश है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे सैन्य कार्रवाई के नाम पर किया गया नरसंहार बताया है। पिछले साल भी जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में टकराव हुआ था, तो पाकिस्तानी सेना ने अफगानी क्रिकेटर्स को निशाना बनाया था।यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान तक, जैसे-जैसे संघर्ष का दायरा बढ़ रहा है, मानवता को आघात पहुंच रहा है। पिछले शुक्रवार को दक्षिण लेबनान में एक मेडिकल सेंटर पर इस्राइल ने हमला किया था, जिसमें 12 स्वास्थ्यकर्मियों की जान चली गई। लेबनान का दावा है कि मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से चिकित्सा सुविधाओं पर कम से कम 37 हमले हुए हैं और 31 हेल्थकेयर स्टाफ की मौतें हुई हैं। इसी तरह, ईरान पर हमले के पहले ही दिन अमेरिका-इस्राइल की मिसाइल एक स्कूल पर जा गिरी थी, जिसमें लगभग 170 लोगों की मौत हो गई और इसमें ज्यादातर बच्चे थे।अंतरराष्ट्रीय कानून, खासकर जिनेवा कन्वेंशन कहता है कि जीवन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला नहीं किया जा सकता। मेडिकल स्टाफ को हर हाल में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। ऐसे हमले कानूनी ही नहीं, नैतिक रूप से भी गलत हैं। लेकिन, आंकड़े कहते हैं कि आज किसी को न नैतिकता की पड़ी है और न नियमों की। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, केवल यूक्रेन में ही 2022 के बाद से अभी तक हेल्थ केयर फैसिलिटीज पर 2881 हमले हो चुके हैं। और हॉस्पिटल ही नहीं, पश्चिम एशिया संकट में तो पानी और तेल के ठिकाने भी निशाना बन रहे हैं।इस तरह की घटनाएं बार-बार इसलिए हो रही हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अब कोई वास्तविक ताकत नहीं बची। वर्ल्ड ऑर्डर में केवल एक चीज मायने रख रही है - कौन किस पर किस तरह से हावी हो सकता है। जरूरत निंदा और आलोचना से आगे ठोस कार्रवाई की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर यह तय करना होगा कि ऐसे हमलों की निष्पक्ष जांच की जाए और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो।

महाशक्तियों की जंग के बीच भारत की कूटनीति का दमदार प्रदर्शन, बन रहा है नया वैश्विक शक्ति संतुलन

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है।

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा शक्ति संघर्ष

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है।

अमेरिका और चीन के बीच तेजी से आकार ले रहा है। यह केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि सैन्य ताकत, तकनीकी वर्चस्व और भू रणनीतिक प्रभुत्व की निर्णायक होड़ है। वहीं इस महाशक्ति संघर्ष के बीच भारत एक बेहद संतुलित लेकिन आक्रामक कूटनीति गढ़ रहा है। भारत की रणनीति स्पष्ट है कि किसी गुट का पिछ्लग्गू बने बिना अपनी सामरिक ताकत को इतना मजबूत करना है कि बदलते वैश्विक समीकरणों में वह निर्णायक शक्ति बन सके।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है।

हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि एक ओर भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड मंच में सक्रिय भूमिका निभाता है, वहीं दूसरी ओर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर चीन और रूस के साथ भी सहयोग बनाए रखता है। यह संतुलन आधारित नीति भारत को दोनों पक्षों के साथ काम करने की स्वतंत्रता देती है और उसे एक निर्णायक मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

इसके अलावा, हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका तेजी से

बढ़ रही है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है और चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के कारण यहां शक्ति संतुलन का सवाल बेहद संवेदनशील बन चुका है। चीन ने पिछले एक दशक में दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ाई है। इसके जवाब में भारत ने समुद्री रणनीति को अपनी सुरक्षा नीति का केंद्रीय स्तंभ बना दिया है।

हम आपको बता दें कि भारतीय नौसेना का तेजी से होता आधुनिकीकरण इसी रणनीति का हिस्सा है। भारत अगले दस वर्षों में युद्धपोतों, पनडुब्बियों और समुद्री निगरानी तंत्र के विस्तार पर लगभग 40 अरब डॉलर खर्च करने की योजना पर काम कर रहा है। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के शामिल होने से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास विमान वाहक पोत बनाने की क्षमता है। इसके साथ ही अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सैन्य ढांचे का विस्तार हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत कर रहा है।

यह भी दिलचस्प तथ्य है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में चीन अपनी कुल सैन्य शक्ति का सीमित हिस्सा ही हिंद महासागर में तैनात कर सकता है, क्योंकि उसका मुख्य सैन्य ढांचा प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित है। इसके विपरीत भारत को भौगोलिक लाभ प्राप्त है और हिंद महासागर उसके लिए प्राकृतिक रणनीतिक क्षेत्र है। यही कारण है कि समुद्री शक्ति को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

भारत की सामरिक तैयारी केवल समुद्र तक सीमित नहीं है। हिमालयी सीमाओं पर भी बड़े पैमाने पर सैन्य ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। लद्दाख संकट के बाद भारत ने सीमा सड़कों, सुरंगों, हवाई पट्टियों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों का तेजी से निर्माण किया है। इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य संतुलन काफी हद तक भारत के पक्ष में मजबूत हुआ है।

इसके अलावा, तकनीकी क्षेत्र में भी भारत तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। भारतीय सशस्त्र बलों में लगभग पंद्रह लाख सक्रिय सैनिक हैं, जबकि रिजर्व और अर्धसैनिक बलों को मिलाकर कुल सैन्य शक्ति पचास लाख से अधिक है। इसके साथ ही भारत ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित सैन्य तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता भी भारत की रणनीतिक नीति का अहम हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात को तेजी से बढ़ाया है और स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहन दिया है। इसका उद्देश्य केवल आयात पर निर्भरता कम करना नहीं बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उद्योग का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना है।

इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव में भारत की कूटनीति के प्रभाव केवल एशिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक वैश्विक निहितार्थ भी सामने आ रहे हैं। भारत आज उस स्थिति में पहुंच चुका है जहां उसकी नीति विश्व शक्ति संतुलन को प्रभावित करने लगी है। यदि भारत अमेरिका के साथ गहरे सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाता है तो हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तार को रोकने वाला एक मजबूत संतुलन बन सकता है। दूसरी ओर यदि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करता है तो विश्व राजनीति में शक्ति का केंद्रीकरण कम होगा और कई क्षेत्रीय शक्तियों को उभरने का अवसर मिलेगा। ऊर्जा आपूर्ति मार्गों, वैश्विक व्यापार, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका लगातार निर्णायक बन रही है। यही कारण है कि आज यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देश भारत को उस शक्ति के रूप में देख रहे हैं जो अमेरिका चीन प्रतिस्पर्धा के बीच वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत की कूटनीति संतुलन की नीति है। भारत सीधे किसी शक्ति के खिलाफ खड़ा होने की बजाय अपनी सैन्य क्षमता, आर्थिक ताकत और तकनीकी शक्ति को मजबूत करते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि यही रणनीति आगे भी जारी रही तो आने वाले दशकों में अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच भारत केवल एक संतुलनकारी शक्ति नहीं रहेगा बल्कि वह वैश्विक राजनीति का वह निर्णायक केंद्र बन सकता है जो एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के शक्ति समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

(उमेश चतुर्वेदी)

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाई, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखते को मजबूर रहता है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग।

(ललित गर्ग)

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं

बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

कच्चे आम के बेशकीमती लाभ

इस मौसम में जरूर फायदा उठाएं

गर्मियों में कच्चे और पके आम की भरपूर आवक होती है और इन दोनों के अपने अलग फायदे हैं। कच्चे आम की चटनी हो या पना, गर्मी के मौसम में स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद लाभदायक है। जानिए कच्चे आम यानि कैरी के यह 7 बेहतरीन फायदे

- कच्चे आम का प्रयोग सिर्फ भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए ही नहीं बल्कि स्वस्थ रहने के लिए भी किया जा सकता है। कच्चे आम के सेवन से रक्त संबंधी विकारों से बचा जा सकता है।
- अगर आपको एसिडिटी, गैस या अपच जैसी समस्या हो रही हैं, तो कच्चे आम का सेवन आपके लिए काफी लाभदायक होगा। यह कब्ज और पेट के सभी विकारों से निपटने में आपकी मदद करेगा।
- ऊल्टी आना या फिर जी मचलाने की समस्या में कच्चे आम का काले नमक के साथ सेवन करना आपको निजात दिला सकता है। कुछ ही देर में यह आपको सामान्य महसूस कराने में मदद करेगा।
- कच्चे आम का नियमित सेवन कर न केवल आप अपने बालों को काला बनाए रख सकते हैं, बल्कि बेदाग और दमकती हुई त्वचा आसानी से पा सकते हैं। इससे त्वचा में कसाव भी बना रहता है।
- शुगर की समस्या होने पर इसका प्रयोग आपके शुगर लेवल को कम करने में बेहद सहायक होगा। इसका प्रयोग कर आप शरीर में आयरन की पूर्ति भी आसानी से कर सकते हैं।
- इसमें विटामिन सी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद है, जो आपकी खूबसूरती का ध्यान तो रखता ही है, रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा करता है। इसक प्रयोग आंखों के लिए भी फायदेमंद है।
- अगर आपको अत्यधिक पसीना आता है, तो कच्चे आम का पना या फिर किसी भी रूप में इसका प्रयोग आपकी इस समस्या को आसानी से दूर करने में कारगर साबित होगा।

गठिया का दर्द सोख लेती हैं ये चीजें, जड़ से खत्म होगी दर्दनाक तकलीफ

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

बीमारियों से लड़ने के लिए मजबूती देती है भिंडी

गर्मियों के मौसम की एक सब्जी भिंडी जो सभी सब्जियों में खास मानी गई है। यह काफी लोगों की पहली पसंद होती है, तो कई लोग इसे नापसंद भी करते हैं। अगर आप गर्मियों में भिंडी खाते हैं तो आपका इम्युनिटी सिस्टम बेहतर होता है, भिंडी खाने से शरीर को ज्यादातर बीमारियों से लड़ने के लिए मजबूती मिलती है तथा आपकी बॉडी आसानी से वायरल इंफेक्शन से लड़ सकती है। यह इम्युनिटी बूस्ट करती है। लेडी फिंगर कही जाने वाली यह हरी सब्जी खास तौर पर यह बच्चों को अधिक पसंद आती है।

- **पाचन तंत्र**- भिंडी फाइबर से भरपूर सब्जी है। इसमें मौजूद लसलसा फाइबर पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इससे पेट फूलना, कब्ज, दर्द और गैस जैसी समस्याएं नहीं होती।
- **हृदय**- भिंडी आपके दिल को भी स्वस्थ रखती है । इसमें मौजूद पैक्टिन कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, साथ ही इसमें पाया जाने वाला घुलनशील फाइबर, रक्त में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- **डायबिटीज**- इसमें पाया जाने वाला यूगेनॉल, डायबिटीज के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है। यह शरीर में शर्करा के स्तर को बढ़ने से रोकता है, जिससे डायबिटीज का खतरा कम होता है।
- **अनीमिया**- भिंडी एनीमिया में भी काफी लाभदायक होती है। इसमें मौजूद आयरन हीमोग्लोबिन का निर्माण करने में सहायक होता है, और विटामिन- के, रक्तस्त्राव को रोकने का कार्य करता है।
- **आंखों की रोशनी**- भिंडी विटामिन-ए, बीटा कैरोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंटद्यस से भरपूर होती है, जो सेल्युलर चयापचय से उपजे मुक्त कणों को समाप्त करने में सहायक होते हैं। यह कण नेत्रहीनता के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा भिंडी मोतियाबिंद से भी बचाती है।
- **हड्डियां बनाए मजबूत**- भिंडी में पाया जाने वाला लसलसा पदार्थ हमारी हड्डियों के लिए उपयोगी होता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन-के हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है।
- **इम्यून सिस्टम**- भिंडी में विटामिन-सी होने के साथ यह एंटीआक्सिडेंट से भरपूर होती है। जिसके कारण यह इम्यून सिस्टम को मजबूत कर शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करती है। इसे भोजन में शामिल करने से कई बीमारियों जैसे खांसी, ठंड जैसी समस्याएं भी नहीं होती।
- **कैंसर**- भिंडी को अपनी थाली में शामिल करके आप कैंसर को दूर भगा सकते हैं। खासतौर से कोलन कैंसर को दूर करने में भिंडी बहुत फायदेमंद है। यह आंतों में मौजूद विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है, जिससे आंतें स्वस्थ रहती हैं और बेहतर तरीके से कार्य करती हैं।
- **वजन**- भिंडी आपके वजन को कम करने के साथ ही अपकी त्वचा को जवान बनाए रखने में भी मदद करती है। इसका प्रयोग बालों को खूबसूरत, घना और चमकदार बनाने के लिए भी किया जाता है। इसके लसलसे पदार्थ को नींबू के साथ शैंपू की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

पथरी-पीलिया के लिए नैचुरल टॉनिक है गन्ने का रस

गर्मी में ठंडक पाने के लिए अधिकतर लोग कोल्ड ड्रिंक्स या अन्य शुगरी ड्रिंक्स का अधिक सेवन करते हैं। इन चीजों के सेवन से आपकी सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। अगर आप गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचने व उनका इलाज करना चाहते हैं, तो आपको गन्ने का रस पीना चाहिए। गन्ने का रस एक 100 नैचुरल ड्रिंक है जिसमें किसी तरह कोलेस्ट्रॉल नहीं होता। हालांकि इसमें थोड़ा फैट, फाइबर और प्रोटीन की मात्रा होती है। गन्ने का रस में सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसी पोषक पाए जाते हैं। गर्मियों में बॉडी को हाइड्रेटेड रखने के अलावा गन्ने का रस आपको कैंसर से बचाने, पाचन को दुरुस्त रखने, किडनी के कामकाज को बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत बनाने और खून की कमी से बचाने आदि में सहायक है।

गर्मियों में गन्ने के जूस से बढ़िया कोई ड्रिंक नहीं है, स्वाद और पोषण से भरपूर गन्ने का रस शरीर को ऊर्जा देने के अलावा कई बीमारियों से बचाने में सहायक है।

बॉडी को तुरंत मिलती है एनर्जी

गन्ने का रस स्वादिष्ट होता है और इसे पीने से आपके शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। गर्मियों में पसीना और चिलचिलाती धूप शरीर की सारी ताकत खत्म कर देती है और डिहाइड्रेट कर देती है। गन्ने का ताजा रस शरीर को तरोताजा करने का हेल्दी तरीका है।

लिवर के कामकाज को बनाता है मजबूत

एक अध्ययन के अनुसार गन्ने का रस विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और यह लिवर के कामकाज को बेहतर बनाने में सहायक है। अध्ययनों से पता चलता है कि गन्ने का रस नेचर में एल्कलाइन होता है, जो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही वजह है कि पीलिया होने पर गन्ने का रस पीने की सलाह दी जाती है।

कैंसर से लड़ने की क्षमता

अध्ययनों से पता चला है कि गन्ने के रस में मौजूद पॉलीफेनोल्स, हाई एंटीऑक्सीडेंट और एंटी कैंसर गुण होते हैं। यही वजह है कि गन्ने के रस में कैंसर से लड़ने की क्षमता होती है।

पाचन तंत्र को बनता है मजबूत

अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो आपको गन्ने का रस पीना चाहिए। गन्ने के रस में मौजूद पोटैशियम पेट में पीएच लेवल को संतुलित करता है। गन्ने का रस पीने से व्यक्ति हाइड्रेटेड रहता है और नियमित मल त्याग में मदद मिलती है। यह पेट के संक्रमण को रोकने में भी मदद करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बढ़िया ड्रिंक

हालांकि गन्ने के रस में शुगर होती है लेकिन सीमित मात्रा में इसके सेवन से डायबिटीज के रोगियों को फायदेमंद हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नैचुरल शुगर में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है। अध्ययन के अनुसार, गन्ने में विभिन्न पॉलीफेनोल्स होते हैं जो डायबिटीज को बेहतर ढंग से मैनेज करते हैं।

किडनी हेल्थ के लिए पावरफुल ड्रिंक

गन्ने के रस में बिल्कुल भी कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है, साथ ही इसमें सोडियम भी बहुत कम होता है। इसके अलावा इसमें सैचुरेटेड फैट भी नहीं होता है और यही वजह है कि यह किडनी को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

यह भी हैं गन्ने का जूस पीने के फायदे

गन्ने का रस शरीर की सूजन, यूटीआई, किडनी की पथरी और प्रोस्टेटाइटिस जैसे लक्षणों को मैनेज करता है, इसमें कैल्शियम की मात्रा होने की वजह यह हड्डियों को विकास और मजबूती के लिए जरूरी है, साथ ही यह मुंह की दुर्गन्ध दूर करता है और दांतों को मजबूती देता है

गन्ने के रस के नुकसान

गन्ने के रस पीने के साइड इफेक्ट बहुत कम होते हैं, लेकिन फिर भी यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है। गन्ने में पोलीकोसानॉल नामक तत्व होता है और इसके अधिक सेवन से अनिद्रा, पेट खराब, चक्कर आना, सिरदर्द और वजन कम हो सकता है। यह रक्त को पतला भी कर सकता है और रक्त में कोलेस्ट्रॉल लेवल को को प्रभावित कर सकता है।

दिल रहेगा एकदम स्वस्थ रुटीन में ये ट्राई करें

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

कैसे करें जंपिंग जैक एक्सरसाइज

.सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
.इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें। .हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें। ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

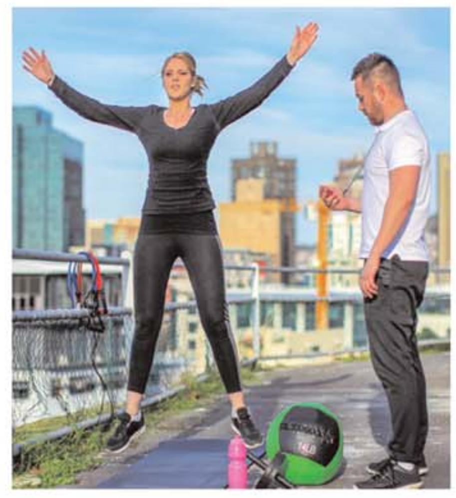

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने बढ़ाया भारत के लिए एयरस्पेस बैन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बुधवार को भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध को एक और महीने के लिए बढ़ा दिया। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) ने एक नए नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के माध्यम से यह निर्णय लिया। यह नोटिस पिछले नोटिस की समय सीमा 23 मार्च को समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया था। पीएए ने कहा कि भारत में पंजीकृत सभी विमानों के लिए पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र 24 अप्रैल तक बंद रहेगा। इसने कहा कि यह प्रतिबंध भारतीय एयरलाइंस या ऑपरेटरों द्वारा संचालित, स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों पर लागू होता रहेगा। इसमें यह भी कहा गया कि यह प्रतिबंध भारतीय सैन्य उड़ानों पर भी लागू होता है। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत के बाद उत्पन्न तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान ने पिछले साल एक-दूसरे की एयरलाइन के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था।

फोन कॉल से करोड़ों की ठगी!: एफबीआई के रडार पर भारतीय युवक केनी पटेल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने एक भारतीय नागरिक कल्पेशकुमार रसिकभाई पटेल की तलाश तेज कर दी है। कल्पेशकुमार पटेल पर आरोप है कि उसने 2017 से 2021 के बीच अमेरिका में कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की बड़ी साजिश को अंजाम दिया। एफबीआई के मुताबिक, कल्पेशकुमार पटेल जिसे 'केनी पटेल' के नाम से भी जाना जाता है, करीब 35 साल का है और फिलहाल अमेरिका के इलिनॉय और पेंसिल्वेनिया के बीच कहीं रह रहा हो सकता है या वहां आ-जा रहा हो सकता है। वह पहले एक फ्यूल स्टेशन पर काम करता था, लेकिन उस पर आरोप है कि वह एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा था, जो लोगों को फोन करके ठगता था। फोन कॉल से करोड़ों की ठगी का आरोप इस गिरोह का तरीका काफी चालाक था। वे लोगों को फोन कर यह कहते थे कि उनकी पहचान या निजी जानकारी किसी अपराध से जुड़ी हुई है। डर और भ्रम पैदा करके लोगों को मजबूर किया जाता था कि वे बड़ी रकम भेजें। ज्यादातर मामलों में पीड़ितों से नकद पैसा या प्रीपेड डेबिट कार्ड के जरिए पैसे अलग-अलग पते पर भिजवाए जाते थे। इस मामले में 22 जून 2023 को अमेरिका की एक अदालत (केंटकी के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट) ने केनी पटेल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उस पर 'मेल और वायर फ्रॉड साजिश' जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। फिलहाल वह फरार है और एफबीआई ने उसे 'न्याय से भागा हुआ आरोपी' घोषित किया है।

चिंताजनक: उम्र बढ़ने की चिंता, सेहत का डर तेजी से ले जाता है बुढ़ापे की ओर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ के इस अध्ययन में 726 महिलाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जो मिडलाइफ इन द यूनाइटेड स्टेट्स (एमआईडीयूएस) अध्ययन का हिस्सा थीं। प्रतिभागियों से पूछा गया कि वे उम्र बढ़ने के साथ कम आकर्षक होने, स्वास्थ्य समस्याएं विकसित होने या बच्चों को जन्म देने की उम्र पार कर जाने को लेकर कितनी चिंतित हैं। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों के रक्त नमूनों का विश्लेषण दो स्थापित एपिजेनेटिक क्लॉक्स के माध्यम से किया। पहला क्लॉक डुनेडिनपेस जैविक उम्र बढ़ने की गति को मापता है, जबकि दूसरा ग्रिमएज2 समय के साथ शरीर में जमा हुए जैविक नुकसान का अनुमान लगाता है। परिणामों में पाया गया कि जो महिलाएं उम्र बढ़ने को लेकर अधिक चिंता व्यक्त करती थीं, उनमें डुनेडिनपेस क्लॉक के अनुसार तेज एपिजेनेटिक एजिंग के संकेत मिले। अध्ययन की मुख्य लेखिका और एनवाईयू स्कूल ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ की मरियाना रोड्रिग्स के अनुसार, महिलाएं विशेष रूप से उम्र बढ़ने की चिंता के प्रति संवेदनशील होती हैं। सामाजिक अपेक्षाएं, युवावस्था और रूप-रंग को लेकर दबाव, तथा प्रजनन क्षमता से जुड़ी चिंताएं मध्य आयु में तनाव को बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि मध्य आयु की महिलाएं अक्सर कई भूमिकाएं निभा रही होती हैं, जैसे अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना। परिवार के बुजुर्गों को बीमार होते देख वे यह सोचकर चिंतित होती हैं कि कहीं उनके साथ भी भविष्य में ऐसा न हो।

पश्चिम एशिया के अहम ऊर्जा ठिकाने निशाने पर, सऊदी अरब भी ईरान के खिलाफ कर सकता है हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के एक आर्मी बेस पर ड्रोन मंडराता दिखा है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिस वक्त यह ड्रोन सैन्य बेस पर मंडरा रहा था, उस वक्त उस सैन्य बेस में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी मौजूद थे। ईरान की सरकार ने जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल तीन लोगों को फांसी दे दी है। इन लोगों पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दो लोगों की हत्या का आरोप था। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान में विरोध प्रदर्शन के दौरान करीब 3117 लोग मारे गए थे। वहीं अमेरिकी मानवाधिकार संगठन ने दावा किया है कि ईरान में 6800 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। दक्षिण पार्स गैस फील्ड दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस फील्ड है। दक्षिण पार्स गैस फील्ड का सबसे बड़ा हिस्सा ईरान के पास है। वहीं एक हिस्सा कतर की सीमा में आता है, जिसे नॉर्थ डोम कहा जाता है। इस पूरे फील्ड में करीब 1800 खरब क्यूबिक फीट गैस

है, जो पूरी दुनिया के इस्तेमाल के लिए 13 साल तक पर्याप्त है। दक्षिण पार्स से निकाली जाने वाली अधिकतर गैस को ईरान द्वारा घरेलू इस्तेमाल में लाया जाता है। इस गैस फील्ड की अहमियत को देखते हुए ही संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने भी इस्राइल के हमले की निंदा की है। जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सफाई देनी पड़ी है और उन्होने कहा है कि इस्राइल अब दोबारा यहां हमला नहीं करेगा।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में अब ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईरान द्वारा पश्चिम एशिया के कई देशों को निशाना बनाया जा रहा है। अब सऊदी अरब ने भी संकेत दिए हैं कि वे भी ईरान पर हमले कर सकते हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि ईरान द्वारा पश्चिम एशिया के अन्य देशों पर हमला कर उन पर दबाव बनाया जा रहा है। ये दबाव उल्टा भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास भी जवाब देने का अधिकार है और अगर जरूरत पड़ी तो सऊदी अरब भी हमलों का जवाब देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका को इस्राइल द्वारा ईरान के दक्षिण पार्स गैस फील्ड पर हमले की जानकारी नहीं थी। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका को इस हमले की जानकारी थी। अमेरिका ने ये भी कहा है कि वे कतर के गैस फील्ड की रक्षा करेंगे क्योंकि अमेरिका को गैस का निर्यात कतर से ही होता है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि पश्चिमी तट में ईरानी मिसाइल हमले में तीन फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए। डेलावेयर स्थित डोवर एयर फोर्स बेस में बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने छह अमेरिकी सैनिकों को अंतिम श्रद्धांजलि दी। ये सैनिक पिछले सप्ताह पश्चिमी इराक में एक रिफ्यूलिंग विमान के हादसे में शहीद हुए थे।

अपराधियों को जल्द कीमत चुकानी होगी

लारीजानी की हत्या को लेकर ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का बड़ा बयान

तेहरान, एजेंसी। अली लारीजानी की मौत के बाद ईरान में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इजरायल और अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है और कहा है कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

मोज्तबा खामेनेई ने अपने बयान में कहा कि लारिजानी, उनके बेटे और सहयोगियों की मौत से गहरा दुख है। उन्होंने दशकों तक ईरान की सेवा की, ऐसे हमले दुश्मनों की दुश्मनी को दिखाते हैं लेकिन इससे ईरान का संकल्प और मजबूत होगा।

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने पुष्टि की है कि अली लारीजानी एक हमले में मारे गए। हाल ही में इस्माइल खतीब की भी मौत हुई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्किय ने भी इसकी पुष्टि की है। यह संघर्ष अब सिर्फ ईरान बनाम अमेरिका-इजरायल तक सीमित नहीं रहा। इससे लेबनान भी प्रभावित है। साथ ही खाड़ी देशों में

तनाव बढ़ा है और ग्लोबल शिपिंग और एनर्जी मार्केट पर असर पड़ा है। इजरायल का दावा है कि उसने ईरान की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी सेंध लगा दी है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप इस सैन्य बढ़त को राजनीतिक जीत में बदल पाएंगे? या ईरान इस युद्ध को और लंबा और महंगा बना देगा? रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संघर्ष में पहले ही कई बड़े ईरानी नेता मारे जा चुके हैं और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

ट्रंप की ईरान को सीधी चेतावनी, कतर पर हमला हुआ तो पूरा क्षेत्र उड़ा देंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव अब खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका के राष्टपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने कतर पर दोबारा हमला किया, तो अमेरिका सीधे जवाबी कार्रवाई करेगा और पूरे क्षेत्र को तबाह करने से पीछे नहीं हटेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह बड़े स्तर की तबाही नहीं चाहते, क्योंकि इससे ईरान के भविष्य पर गंभीर असर पड़ेगा। लेकिन कतर के एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) ठिकानों पर हमला हुआ तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा। इस पूरे विवाद की जड़ बना ईरान का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र साउथ पारस गैस, जिस पर इजराइल ने हमला किया। यह क्षेत्र ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इस हमले के बाद ईरान ने खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ईरान ने कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के गैस और तेल ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। कतर में मिसाइल गिरने से आग लग गई और भारी नुकसान हुआ। इसके बाद कतर ने ईरानी राजनयिकों को 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दे दिया। संयुक्त अरब अमीरात के हबशान गैस प्लांट और बाब क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया। हालांकि इन जगहों पर पहले ही उत्पादन रोक दिया गया था। इस बीच इजराइल ने दावा किया कि उसके हमले में ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खातीब मारे गए। इससे पहले ईरान के वरिष्ठ नेता अली लारीजानी और बासिज बल के प्रमुख जनरल गुलाम रजा सुलेमानी भी मारे जा चुके हैं। जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमले किए, जिनमें पश्चिमी तट पर कई लोगों की मौत हुई।

ईरान से खतरा नहीं, ट्रंप पर इस्राइल का दबाव

इस्तीफे के बाद बोले केंट- सलाह नहीं सुनी गई

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका अपनी धौंस और विदेश नीति को लेकर कटघरे में है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खतरनाक बताते हुए उसके परमाणु ठिकानों को नेस्तनाबूद करने के लिए बीते साल भी सैन्य कार्रवाई की थी। अब बीते 28 फरवरी से शुरू हुए हिंसक संघर्ष में अमेरिकी सेना ने इस्राइल के साथ मिलकर ईरान के ठिकानों पर बम बरसाए हैं। इस कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई, उनके करीबी लारीजानी समेत कई शीर्ष सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान में अब तक 1440 से अधिक मौतें हुई हैं, जबकि 18,400 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस टकराव के कारण वैश्विक तनाव भी बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया की उथल-पुथल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कटघरे में हैं। ताजा घटनाक्रम में अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष अधिकारी जो केंट ने चौंकाने वाले बयान दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ट्रंप इस्राइल के दबाव में ईरान पर

हमले कर रहे हैं। केंट ने बुधवार को दावा किया कि उन्हें और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को ईरान में युद्ध से जुड़ी चिंताओं को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ साझा करने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमला करने का निर्णय लेते समय सलाहकारों के एक छोटे समूह पर भरोसा किया। इस्राइल ने ट्रंप पर कार्रवाई करने का दबाव डाला। अमेरिका को ईरान से कोई खतरा है, इस बात के कोई पुख्ता सबूत नहीं थे। केंट ने टकर कार्लसन के शो में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा के दौरान बताया, ईरान में सैन्य कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले कई अधिकारियों को राष्ट्रपति के सामने अपनी राय व्यक्त करने की अनुमति नहीं मिली। हवाई हमले से पहले इस मुद्दे पर कोई ठोस और खुली चर्चा तक नहीं हुई। बकौल केंट, 'मैंने इस्तीफा देने का फैसला तब किया जब यह स्पष्ट हो गया कि उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया जाएगा। मैं जानता हूं कि युद्ध का ये रास्ता कारगर नहीं है। मेरी अंतरात्मा की आवाज है कि मुझे ऐसी कार्रवाई का हिस्सा नहीं बनना।' गौरतलब है कि जो केंट ने इसी सप्ताह ईरान में युद्ध को लेकर चिंता जताते हुए नैतिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के बाद उनके बयान से इस बात का संकेत मिलता है कि 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी सेना का हमला कैसे हुआ। ट्रंप के निर्णय से जुड़ी ऐसी अंदरूनी जानकारी आने के बाद प्रशासन के भीतर गहरी चिंताओं को भी उजागर करती हैं।

वर्ल्ड कप तो खेलेंगे, पर अमेरिका नहीं जाएंगे ईरान ने फीफा के सामने रखी बड़ी शर्त

मेक्सिको बन सकता है नया वेन्यू

तेहरान, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन से पहले ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव अब फुटबॉल के मैदान तक पहुंच गया है। ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (जिसने पहले टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी अब खेलने को तैयार है। हालांकि ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने मैच खेलने के लिए अमेरिका की धरती पर कदम नहीं रखेगा। ईरान के फुटबॉल प्रमुख मेहदी ताज ने पुष्टि की है कि उनकी टीम वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुटी है। टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो फ्रेंडली मैच भी खेलेगी। इससे पहले ईरान के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने संकेत दिए थे कि सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या के बाद उपजे हालातों के कारण ईरान वर्ल्ड कप से हट सकता है लेकिन अब ईरान ने बहिष्कार का फैसला बदल लिया है। ईरान ने फीफा से मांग की है कि उसके मैच अमेरिका की बजाय किसी और देश में शिफ्ट किए जाएं। इस मांग के पीछे दो मुख्य कारण हैं- सुरक्षा और तनाव- फरवरी के अंत से अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव चरम पर है।

डोनाल्ड ट्रंप का बयान- अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सुरक्षा

कारणों का हवाला देते हुए ईरान को सलाह दी थी कि उनके लिए अमेरिका में मैच खेलना उचित नहीं होगा। इसी बयान को आधार बनाकर ईरान अब अमेरिका जाने से बच रहा है। ईरान की इस मुश्किल को देखते हुए मेक्सिको की राष्टपति क्लाउडिया शीनबाम ने 17 मार्च को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान चाहे तो अपने ग्रुप मैच मेक्सिको में खेल सकता है। चूंकि वर्ल्ड कप 2026 संयुक्त रूप से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में हो रहा है इसलिए वेन्यू शिफ्ट करना तकनीकी रूप से संभव है लेकिन अंतिम फैसला फीफा को लेना है। ईरान पहले ही वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है। तय शेड्यूल के अनुसार जून में ईरान को बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलने हैं जो फिलहाल अमेरिका में प्रस्तावित हैं। एफआईएफ फुटबॉल की सबसे बड़ी संस्था ने साफ किया है कि वे सभी टीमों के संपर्क में हैं लेकिन फिलहाल शेड्यूल बदलने का कोई इरादा नहीं है।

● अमेरिका के लिए पाकिस्तान सबसे बड़ा परमाणु खतरा

यूएस इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को प्रस्तुत यूएस इंटेलिजेंस कम्युनिटी के खतरे के आकलन पर वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत और पाकिस्तान के संबंधों के कारण परमाणु संघर्ष का खतरा बना हुआ है। चौंतीस पृष्ठों की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत और पाकिस्तान सीधे संघर्ष शुरू नहीं करना चाहते फिर भी आतंकवादी तत्वों के लिए संकटों को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियां मौजूद हैं।

दस्तावेज में कहा गया है, भारत-पाकिस्तान संबंध की वजह से परमाणु संघर्ष का खतरा बना हुआ है क्योंकि पूर्व में इन दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच टकराव हुए हैं, जिससे तनाव बढ़ने का खतरा पैदा हुआ है। पिछले साल जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में पहलगाम के पास हुए आतंकवादी हमले ने संघर्ष को भड़काने वाले आतंकवादी हमलों के खतरों को स्पष्ट कर दिया है। दस्तावेज में कहा गया है, राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप से हालिया परमाणु तनाव कम हुआ है और हमारा आकलन है कि कोई भी

देश खुले संघर्ष में नहीं लौटना चाहता है लेकिन आतंकवादी तत्वों के लिए संकटों को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियां मौजूद हैं। दस्तावेज में कहा गया है, पाकिस्तान और तालिबान के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं और सीमा पार झड़पें होती रहती हैं, क्योंकि इस्लामाबाद अफगानिस्तान में पाक विरोधी आतंकवादी समूहों की उपस्थिति से लगातार निराश रहा है, जबकि इस्लामाबाद को बढ़ती आतंकवादी हिंसा का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका की खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने बुधवार को सांसदों को बताया कि पाकिस्तान द्वारा विकसित लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों में अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम मिसाइलें शामिल हो सकती हैं। सीनेट खुफिया समिति के समक्ष राष्टीय खुफिया निदेशक गबार्ड ने यह भी कहा कि अमेरिका को होने वाले खतरे वर्तमान में 3,000 से अधिक मिसाइलों से बढ़कर 2035 तक 16,000 से अधिक मिसाइलों तक पहुंचने वाले हैं।

गबार्ड ने कहा कि अमेरिका की सुरक्षित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता सामरिक खतरों से देश की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा, हालांकि, रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान परमाणु और पारंपरिक पेलोड से लैस कई नवीन, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल वितरण प्रणालियों पर शोध और विकास कर रहे हैं, जो हमारे देश को खतरे की जद में ला सकते हैं।

ईरान पर हमले के बाद अमेरिका को पहुंच रहा दोहरा नुकसान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का राष्ट्रीय ऋण बुधवार को 39 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब अमेरिका-इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध शुरू हुए कुछ ही हफ्ते हुए हैं। यह अभूतपूर्व आंकड़ा प्रशासन की प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं को उजागर करता है, जिसमें बड़े पैमाने पर कर कानून पारित करना, रक्षा खर्च और आप्रवासन प्रवर्तन को बढ़ावा देना और स्वयं ऋण को कम करना शामिल है। सरकारी जवाबदेही कार्यालय ने बढ़ते सरकारी ऋण के अमेरिकी नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया है। इनमें बंधक और कारों जैसे सामानों के लिए उधार लेने की उच्च लागत, व्यवसायों के पास निवेश के लिए कम पैसा उपलब्ध होने से मजदूरी में कमी, और वस्तुओं तथा सेवाओं का अधिक महंगा होना शामिल है। संतुलित बजट के पैरोकार यह भी चेतावनी देते हैं कि अधिक उधार लेने और ब्याज का भुगतान करने की दीर्घकालिक प्रवृत्ति अमेरिकियों को भविष्य में कठिन वित्तीय समझौतों का सामना करने के लिए मजबूर करेगी।

पीटर जी. पीटरसन फाउंडेशन के अध्यक्ष और सीईओ माइकल पीटरसन ने एक बयान में कहा हमें विकास की इस चिंताजनक दर और अगली पीढ़ी पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ को पहचानना चाहिए। उन्होंने आगे कहा वर्तमान विकास दर पर, हम इस शरद ऋतु के चुनावों से पहले राष्ट्रीय ऋण में आश्चर्यजनक 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएंगे। बिना किसी योजना के इस तेज गति से खरबों का उधार लेना अस्थिरता की परिभाषा है। व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट ने अनुमान लगाया है कि ईरान में युद्ध पर अब तक 12 अरब डॉलर से अधिक खर्च हो चुका है। यह स्पष्ट नहीं है कि युद्ध कब समाप्त होगा।

यह ध्यान देने योग्य है कि संघीय ऋण रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में बढ़ा है और हाल ही में युद्धों, बड़े पैमाने पर महामारी खर्च और करों में कटौती से इसे बढ़ावा मिला है। अमेरिकी राष्ट्रीय ऋण पांच महीने पहले 38 ट्रिलियन डॉलर और उससे दो महीने पहले 37 ट्रिलियन डॉलर था।

ट्रंप के टैरिफ का उल्टा असर: अमेरिकी उद्योगों को नुकसान

श्रमिक वर्ग भी नाराज; उद्योगपतियों ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के समर्थक उद्योगपति जे. एलन ने कहा, उद्योगपतियों ने इस भरोसे के साथ ट्रंप को वोट दिया था कि रिपब्लिकन नेता करों में कटौती और नियमों में ढील देंगे, जिससे उनके विनिर्माण व्यवसाय को मदद मिलेगी। लेकिन ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मूल में मौजूद टैरिफ ने उनकी कंपनी एलन इंजीनियरिंग कॉर्प को चौपट किया है। आयात करों ने विदेशों में बने इंजनों, स्टील, गियरबॉक्स और क्लच की लागत भी बढ़ा दी है। इसके चलते पावर ट्रॉवेल निर्माण के दाम एक लाख डॉलर तक हो सकते हैं। ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी कारखानों की मदद करने वाला बताया था लेकिन देखने में आ रहा है कि वे वास्तव में देशभर के कई उद्योगों और उत्पादन इकाइयों को कुचल रहे हैं। ट्रंप प्रशासन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित आयात करों के स्थान पर नए टैरिफ बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इससे हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। देश के विनिर्माण उद्योगपति क्रेसन क्रू ने कहा, टैरिफ के कारण उन्होंने 2025 में अपनी कंपनी को घाटे में चलाया।

उनके यहां कर्मचारियों की संख्या 205 से घटकर 140 रह गई। बिक्री में कमी पर भी उन्होंने कीमतें 8-10% बढ़ाई हैं।

कंपनियों के लिए योजना बनाना भी मुश्किल

अगले दशक में संघीय घाटे में वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक नीति समूह एम्प्लाई अमेरिका के ईडी स्कंदा अमरनाथ ने कहा, ट्रंप के टैरिफ से विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं दिखती। इस क्षेत्र में कोई नया पुनर्जागरण भी नहीं हो रहा है। टैरिफ पर अनिश्चितता ने निवेश को हतोत्साहित किया है। टैरिफ लगाने के लिए कांग्रेस को दरकिनार करने से छोटी विनिर्माण कंपनियों को योजना बनाना भी मुश्किल कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने चेताया कि संघीय जजों की निजी आलोचना खतरनाक है और इसे रोकना होगा। यह चेतावनी उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाने वाले एक संघीय जज को सनकी, नीच, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू कहने के दो दिन बाद दी। रॉबर्ट्स ने ट्रंप या किसी और को निशाना बनाने से परहेज किया और जोर दिया कि जजों पर हमले किसी एक राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं हो रहे हैं। रॉबर्ट्स ने ह्यूस्टन में कहा, न्यायिक राय की आलोचना न्यायिक पेशे का हिस्सा है और यह स्वस्थ भी हो सकती है। लेकिन जब आलोचना कानूनी विश्लेषण से हटकर दूसरी दिशा में चली जाती है तो मामला अलग हो जाता है।

ट्रंप ने न्यायाधीश बोसबर्ग के बारे में लिखा कि वह एक सनकी, दुष्ट, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू जज हैं, जो ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम के उच्चतम स्तर से पीड़ित हैं और वर्षों से मेरे लोगों और मेरे पीछे पड़े हैं। पिछले साल, रॉबर्ट्स ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप की बोसबर्ग के महाभियोग की मांग को खारिज कर दिया था।

ब्रीफ न्यूज

इंडियन ओपन स्क्वॉश में अनाहत जीती

मुम्बई। भारत की महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने इंडियन ओपन स्क्वॉश में शानदार प्रदर्शन करते हुए मिस्र की फरीदा वालिद को 3-0 से हराया। वहीं तन्वी खन्ना ने मिस्र की नूर खफागी के खिलाफ 3-0 से जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में अनुभवी जोशना चिनप्पा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए चार गेम तक चले कड़े मुकाबले में ब्रिएन फ्लिन को पराजित किया। वहीं पुरुष वर्ग में मिस्र के इब्राहिम एल्काबानी ने शीर्ष वरीय याह्या एल्नवासनी को हराकर टूर्नामेंट में सभी को हैरान कर दिया। एल्काबानी ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 66 मिनट तक चले मुकाबले में एल्नवासनी को 3-2 से हराया। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही अभय सिंह ने हांगकांग के मैथ्यू लाई को 3-0 से हराया। वेलावन सेंथिलकुमार को अमीशेनराज चंद्रन ने हराया जबकि रमित टंडन डंकन ली से सीधे गेम में हार गए।

दिल्ली के गोल्फर विनय कुमार ने प्लेऑफ में जीता स्वर्ण

गुरुग्राम । दिल्ली के विनय कुमार यादव ने गोल्डन ग्रीन्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले गए 25 लाख रुपये के डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन 2026 में स्वर्ण पदक जीता है। विनय ने चंडीगढ़ के अर्जुनवीर शिशिर को प्लेऑफ में पराजित कर स्वर्झ अपने नाम किया। विनय (72-70-71 के साथ चौथे नंबर पर थे और लीड से तीन शॉट पीछे थे पर तीसरे राउंड में एक-अंडर 71 का कार्ड खेलकरऔर रेगुलर 54 होल के अंत में शिशिर (71-70-72) के साथ कुल तीन-अंडर 213 के स्कोर के साथ शीर्ष पर पहुंचे। अर्जुनवीर, जो दूसरे नंबर पर थे और लीड से दो शॉट पीछे थे। तीसरे दिन इवन-पार 72 के स्कोर से वह शीर्ष पर पहुंचे।

विनय कुमार अंत में दूसरे प्लेऑफ होल पर जीत गए। विनय को 3,17,875 रुपये का की ईनामी राशि मिली है। लक्ष्य नागर (72) और सिद्धार्थ सेमवाल (75) संयुक्त रुप से तीसरे नंबर पर रहे।

हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण नाथन एलिस आईपीएल से बाहर हुए

चेन्नइ। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण आईपीएल से बाहर हो गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार एलिस की जगह पर अभी सीएसके ने किसी विकल्प की घोषणा नहीं की है। एलिस अंतिम ओवरों में अपनी कसी कई गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। ऐसे में सीएसके को उनका विकल्प देखना होगा। माना जा रहा है कि उनकी जगह पर मैट हेनरी को अवसर मिल सकता है। एलिस ने अपने टी20 करियर में 180 से ज्यादा मुकाबलों में 200 से अधिक विकेट हासिल किए हैं। इसके अलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने सीमित मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम किए हैं। ऐसे में उनका बाहर होने से सीएसके को काफी नुकसान होगा। टीम के पास अब अकील अहमद , मुकेश चौधरी और गुरजपनीत सिंह जैसे गेंदबाज शामिल हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर के तौर पर शिवम दुबे, जैमी ओवरटन भी तेज गेंदबाजी करते हैं। टीम की कप्तान रितुराज गायकवाड़ के पास है। टीम को अनुभवी खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन का भी लाभ मिलेगा।

आईपीएल से बाहर हुए सैम करन, राजस्थान रॉयल्स की मुश्किलें बढ़ीं

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से बाहर हो गये हैं। सैम के बाहर होने से रॉयल्स को करारा झटका लगा है। सैम के आने से माना जा रहा था कि रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी मजबूत होगी पर ग्रोइन इंजरी के कारण वह भाग नहीं ले पायेंगे। ऐसे में रॉयल्स करन की जगह लेने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर सकती है।

रॉयल्स ने संजू सैमसन के बदले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हुई ट्रेड डील में रविन्द्र जडेजा के साथ ही सैम को भी लिया था और अब ये फैसला उसके लिए नुकसानदायक साबित हो गया। सैम टी20 विश्व कप में भी इंग्लैंड टीम में शामिल थे।

5 टी-20 की सीरीज में 2-1 से बढ़त बनाई, टॉम लैथम ने फिफ्टी लगाई

न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से हराया

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के तीसरे मैच को 8 विकेट से जीत लिया है। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त भी बना ली है। चौथा मैच चौथा मैच 22 मार्च को वेलिंग्टन में खेला जाएगा।

ऑकलैंड के इडेन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी उथ अफ्रीका की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। टॉम लैथम 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने कोटे के चार ओवर में 9 रन देकर एक विकेट लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। साउथ अफ्रीका ने पावरप्ले में तीन विकेट गंवाए टॉस हारकर बैटिंग कर रही साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 41 रन बनाने में टॉप-3 बैटर्स के विकेट गंवा दिए थे। टॉनी डी जॉर्जी 15, वियान मुल्डर जीरो और कॉनर एस्टरहुइजन ने 15 रन बनाए।

कोई बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका

शुरुआती 6 ओवर में खराब शुरुआत के बाद साउथ अफ्रीका की टीम नियमित अंतराल में विकेट गंवाती रही। टीम का कोई भी बल्लेबाज फिफ्टी नहीं लगा सका। यहां तक कि एक भी बैटर 30 रन का आंकड़ा हासिल नहीं कर सका।

अफ्रीका की ओर से 10वें नंबर के बल्लेबाज नकोबानी मोकोएना ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए। काइल जैमिसन, मिचेल सैंटनर और बेन सीयर्स ने 2-2 विकेट झटके। लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैकॉन्ची और जिमी नीशाम को एक-एक विकेट मिला।

तीसरा टी-20

NZ vs SA

(न्यूजीलैंड 8 विकेट से जीता)

साउथ अफ्रीका	न्यूजीलैंड
136/9	**137/2**
20 ओवर	16.2 ओवर
टॉप बैटर्स	**टॉप बैटर्स**
जॉर्ज लिंडे 23 (19)	टॉम लैथम 63* (55)
नकोबानी मोकाएना 26* (20)	डेवोन कॉनवे 39 (26)
टॉप बॉलर्स	**टॉप बॉलर्स**
मिचेल सैंटनर 2 विकेट	केशव महाराज 1 विकेट
बेन सियर्स 2 विकेट	लुथो सिपामला 1 विकेट

टॉम लैथम की फिफ्टी, मैच जिताकर लौटे

कॉन्वे के आउट होने के बाद टॉम लैथम ने टिम रॉबिन्सन (17 रन) के साथ पारी को आगे बढ़ाया। लेकिन रॉबिन्सन को 17वें ओवर की पहली बॉल पर लुथो सिपामला ने LBW कर दिया। हालांकि, तब टीम ने स्कोर लेवल कर लिया था। सिपामला की दूसरी बॉल पर निक केली ने एक रन लिया और टीम को 8 विकेट की जीत दिला दी। टॉम लैथम 55 बॉल पर 63 रन बनाकर नाबाद लौटे।

आयरलैंड के स्टर्लिंग ने टी20 कप्तानी छोड़ी, एकदिवसीय में बने रहेंगे

डबलिन। आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 विश्वकप की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है हालांकि वह एकदिवसीय प्रारुप में कप्तान बने रहेंगे। स्टर्लिंग ने कहा कि उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की रना रहेगा। इसी लिए वह टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ रहे हैं। स्टर्लिंग ने कहा, इस प्रारुप में आयरलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है और मुझे ऐसा करने पर बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। अपने देश की कप्तानी करना सम्मान की बात है जिसके साथ आप पर जिम्मेदारी भी आती है। कप्तानी करते हुए मुझे जो विश्वास और समर्थन मिला, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा, हालांकि मैं टी-20 कप्तानी छोड़ रहा हूं, फिर भी मैं आयरलैंड टीम के प्रति पूरी तरह समर्पित हूं और एकदिवसीय कप्तान के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाता रहूंगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मुझमें अभी भी बहुत अधिक जुनून है और मुझे लगता है कि टी20 प्रारुप की कप्तानी छोड़ने के बाद मैं और बेहतर तरीके से एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान दे सकूंगा। स्टर्लिंग ने 48 टी-20 मैचों में आयरलैंड की कप्तानी की है जिसमें से 20 मैच वह जीते और 26 हारे हैं। वहीं दो मैचों का कोई परिणाम नहीं आया। उन्हें साल 2023 में एंडी बालबर्नी के कप्तानी छोड़ने के बाद कप्तान बनाया गया था।

एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप के लिए बैंकाक पहुंची भारतीय फुटबॉल टीम

मुम्बई। भारतीय अंडर 20 महिला फुटबॉल टीम थाईलैंड में अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप के लिए बैंकाक पहुंच गयी है। भारतीय टीम समय से पहले इसलिए गयी है ताकि उसे अभ्यास और हालात के अनुरुप ढ़लने का पर्याप्त समय मिल सके। भारतीय टीम ने करीब 20 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में ग्रप सी में रखा गया है। उसे दो अप्रैल को जापान के खिलाफ मुकाबले में उतरना है। इसके बाद भारतीय टीम पांच अप्रैल को आस्ट्रेलिया जबकि आठ अप्रैल को चीनी ताइपै से मुकाबला करेगी। इस टूर्नामेंट में समूह की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल मुकाबला करेंगी। क्वार्टर फाइनल में विजेता टीम को पोलैंड में इस साल होने वाले फीफा अंडर 20 विश्व कप में प्रवेश मिलेगा। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट से पहले स्वीडिन के कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन के मार्गदर्शन में अभ्यास किया था। इसके अलावा स्वीडन में वह एक महीने के अभ्यास शिविर में भी शामिल हुई थी।

भारतीय टीम :

गोलकीपर : मोनालिसा देवी एम, नंदिनी, रिबांसी जामू

डिफेंडर : अलका इंदवार, सिंडी आर कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रूचि यादव, सहीना टीएच, शुभांग सिंह, टी चानू तोइजाम

मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपेइबाम, अरिना देवी एन, भूमिका देवी, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी एन, सुलांजना राउल ।

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली; 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

मुंबई। आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है।

इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे। ईशान किशन पहले बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं।

वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था।

भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी आयरलैंड : ग्रीम वेस्ट

नई दिल्ली । क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने कहा है कि जून में उनकी टीम को भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने का अवसर मिलेगा। वेस्ट के अनुसार ये सीरीज भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले होगी। यह सीरीज हालांकि आईसीसी फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं है पर इससे भारतीय टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। वेस्ट ने यह भी घोषणा की है कि अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 विश्वकप में टीम के कमजोर प्रदर्शन के कारा कप्तानी छोड़ दी है। टीम विश्वकप में ग्रुप स्तर से ही बाहर हो गयी थी। वेस्ट ने स्टर्लिंग की प्रशंसा करते हुए कहा, वह एक अच्छे कप्तान रहे हैं, जिन्होंने अपने खेलने के अनुभव को खिलाड़यों को मैनेज करने की अपनी जबरदस्त क्षमता के साथ जोड़ा है। वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी करते रहेंगे, जिसका लक्ष्य क्वालिफिकेशन राउंड में सफल रहना है। वह अगले साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में टीम की कप्तानी करते रहेंगे। साथ ही कहा कि टी20 कप्तान के तौर पर उनके कप्तानी छोड़ने से नए कप्तान को अपनी रणनीति बनाने का अवसर मिलेगा।अब आयरलैंड पुरुष टीम के पास तीनों प्रारुप के लिए अलग-अलग कप्तान होंगे। टेस्ट की कमान एंड्रयू बालबर्नी करेंगे जबकि एकदिवसीय में स्टर्लिंग टीम संभालेंगे। टी20 के लिए कप्तान की घोषणा अभी होनी है।

थरूर को याद आई गंभीर की बात, सैमसन को अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही बल्लेबाज संजू सैमसन छाये हुए हैं। संजू की प्रशंसा करते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि एक बार उनसे टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उसे दूसरा महेंद्र सिंह धोनी बनने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह अपने में ही खास है और उसे संजू सैमसन ही बने रहना चाहिये। थरूर ने कहा कि तब उन्होंने बातचीत के दौरान गंभीर से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। वहीं अब थरूर ने गंभीर की इस बात को याद करते हुए विश्वकप में संजू की बल्लेबाजी

के अंदाज को सराहा है। थरुर का कहना है कि वह क्लब क्रिकेटर के तौर पर करियर की शुरुआत से ही सैमसन को पसंद करते हैं। अब जबकि उसने इतनी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है कि उन्हें उसपर गर्व होता है।

उन्होंने कहा, मैं उससे तब मिला था जब वह 14 साल का था, वह एक युवा क्लब क्रिकेटर था। वह देखने में भले ही कमजोर लगता था पर मन से काफी मजबूत था। उसमें जबरदस्त प्रतिभा थी। वह उस समय से ही विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों कर रहा था। थरूर ने कहा, मैंने तब सैमसन से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। इस बात को जब मैंने गंभीर से कहा, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, उसे अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं है, वह अपने में ही विशेष है, उसे सैमसन ही बने रहना होगा। और से बात सही साबित हुई है।

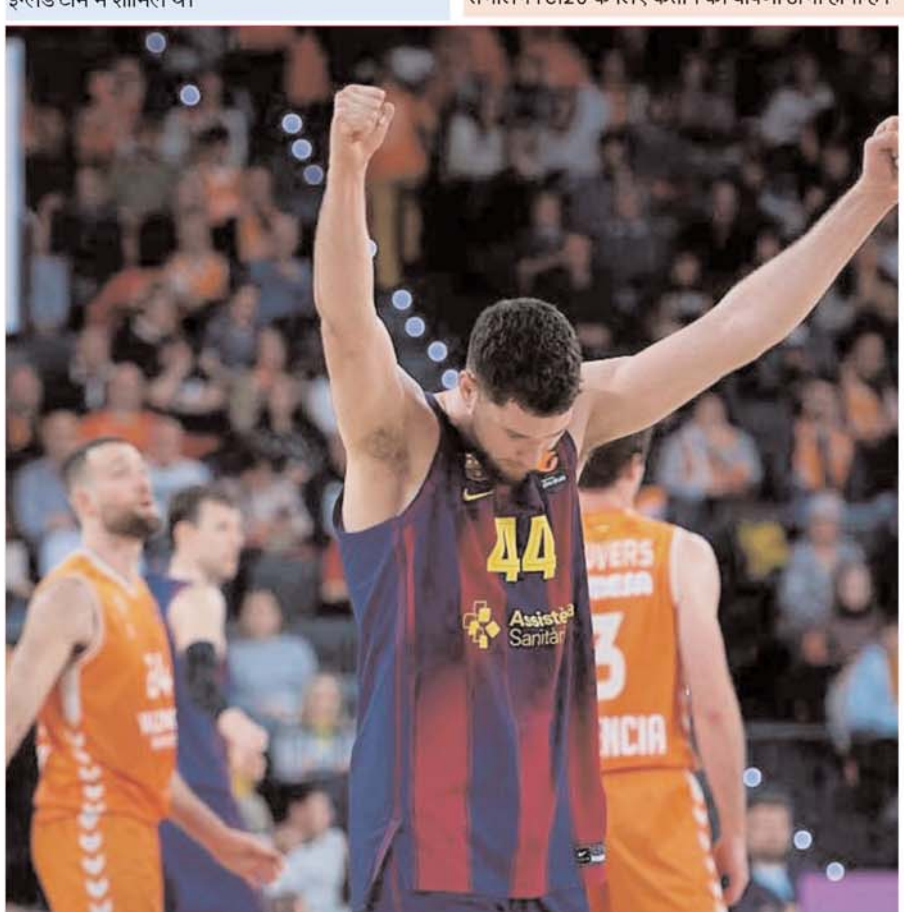

वेलेंशिया में यूरोलीग बास्केटबाल मैच में जीत के बाद उत्साहित होते हुए बार्सिलोना के जोएल पारा।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने क्यों कहा ऐसा

शाहीन अफरीदी को प्लेइंग-11 में नहीं रखना चाहिए

इस्लामाबाद। राशिद लतीफ ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि शाहीन को पाकिस्तानी टी20 टीम की प्लेइंग-11 में जगह तक नहीं मिलनी चाहिए। शाहीन को हाल ही में पाकिस्तान वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। हालांकि, उनकी कप्तानी में पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि शाहीन पाकिस्तान की टी20 टीम में प्लेइंग-11 में जगह पाने के हकदार नहीं हैं। शाहीन खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं और टी20 विश्वकप के दौरान उनकी जमकर पिटाई हुई थी। इसके बाद फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने उनकी खूब आलोचना की थी। वहीं, हाल ही में बांग्लादेश दौरे पर उन्हें वनडे टीम का कप्तान भी बनाया गया, लेकिन इस सीरीज में भी उनकी गेंद पर खूब रन बने। पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश से तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से हार गई।

लतीफ ने की शाहीन की आलोचना

लतीफ को लगता है कि टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बावजूद शाहीन को टी20 कप्तान बनाने के लिए भी साजिश रची जा रही है। हालांकि, लतीफ इसके खिलाफ थे और उन्होंने कहा कि शाहीन को तो टी20 प्लेइंग-11 में जगह तक नहीं मिलनी चाहिए। लतीफ ने कहा, 'अब सभी कह रहे हैं कि शाहीन को वनडे कप्तान नहीं बनाना चाहिए था। मैं तो कहता हूं कि वह तो टी20 टीम में भी जगह बनाने के लायक नहीं हैं। लोग अब कह रहे हैं कि टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद शाहीन को टी20 टीम का कप्तान बनाना चाहिए।'

इससे पहले शाहिद अफरीदी ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार के बाद देश की चयन समिति पर जमकर निशाना साधा था और इसके लिए सीधे तौर पर उन्हें

जिम्मेदार ठहराया था। अफरीदी ने पीसीबी के चयनकर्ताओं की कड़ी आलोचना करते हुए टीम के खराब प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'आपने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में प्रदर्शन देखा और उसके बाद हम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज 2-1 से हार गए। मेरी नजर में चयन समिति आलोचना की हकदार है। आप सभी ने इतना क्रिकेट खेला है, फिर भी आपको यह समझ नहीं आ रहा कि किस फॉर्मेट में किसे कप्तान बनाना चाहिए।

अब शाहीन का समय खत्म हो चुका

लतीफ ने कहा, 'मैं मानता हूं कि ऐसा पहले होना चाहिए था। पर अब वह टी20 टीम में जगह पाने की काबिलियत नहीं रखते। लोग साजिश रच रहे हैं, कैंपेन बना रहे हैं कि कै` शाहीन को वनडे की जगह टी20 में कप्तान बनाया जाए। वह तो टीम में जगह बनाने लायक नहीं हैं। उनका समय अब खत्म हो चुका है।' शाहिद अफरीदी ने चयनकर्ताओं को घेरा था।

'बस्तर हेरिटेज मैराथन' में दिखेगा शांति और विकास का नया अध्याय

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर की ऐतिहासिक और नैसर्गिक धरा कल एक ऐसे गौरवशाली कीर्तिमान की साक्षी बनने जा रही है, जो न केवल खेल जगत में बल्कि सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगा। 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' में उत्साह का एक अभूतपूर्व सैलाब उमड़ने को तैयार है, जहाँ कुल 9,235 पंजीकृत धावक अपनी रफ्तार का लोहा मनवाएंगे। यह आयोजन केवल एक दौड़ मात्र नहीं है, बल्कि बस्तर के बदलते स्वरूप, बढ़ती शांति और शासन की 'पूना मारगेम' जैसी पुनर्वास नीतियों की सफलता की एक जीवंत झांकी है। इस भव्य आयोजन की सबसे प्रेरणादायक तस्वीर उन 200 से अधिक पूर्व माओवादी कैडरों के रूप में उभर रही है, जो संघर्ष का रास्ता छोड़ अब मुख्यधारा का हिस्सा बनकर समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़ने के लिए बेताब हैं। इस मैराथन की वैश्विक महत्ता का प्रमाण इसके आंकड़ों में स्पष्ट झलकता है। पंजीकरण की सूची के अनुसार जहाँ स्थानीय बस्तर संभाग से 8,127 धावकों ने अपना नाम दर्ज कराया है, वहीं छत्तीसगढ़ के बाहर से 202 और 120 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की मौजूदगी इस आयोजन को वैश्विक फलक पर स्थापित कर रही है। विशेष रूप से लंबी दूरी की दौड़ के लिए विश्व विख्यात इथोपिया और केन्या के एथलीट बस्तर की धरा पर अपनी धाक जमाएंगे। आंकड़ों का एक उत्साहजनक पहलू महिलाओं की भागीदारी भी है, जहाँ कुल 2,313 महिला धावक पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। बस्तर हेरिटेज मैराथन मैराथन का मुख्य आकर्षण 42 किलोमीटर की 'फुल मैराथन' होगी, जो जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान से शुरू होकर 'भारत के नियाग्रा' कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के तट पर संपन्न होगी। धावक जब बस्तर के पारंपरिक गांवों और घने जंगलों के नैसर्गिक सौंदर्य के बीच से गुजरेंगे, तो उन्हें यहाँ की समृद्ध विरासत और अदम्य साहस का अनूठा अनुभव होगा। आयोजन को समावेशी बनाने के लिए इसे 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की श्रेणियों में बांटा गया है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक रोमांच 5 किमी की दौड़ में देखने को मिलेगा, जिसमें अकेले बस्तर क्षेत्र से 3,452 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने 25 लाख रुपये की विशाल इनामी राशि की घोषणा की है। स्थानीय धावकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा का अवसर देने के लिए 'बस्तर कैटेगरी' का विशेष प्रावधान रखा गया है, जबकि बस्तर जिले के निवासियों के लिए पंजीकरण पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने सभी धावकों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया है कि कल जब हजारों धावक चित्रकोट की लहरों के साथ कदमताल करेंगे, तो वे केवल फिनिश लाइन की ओर नहीं दौड़ रहे होंगे, बल्कि बस्तर के एक नए, सुरक्षित और प्रगतिशील भविष्य की नई अध्याय लिख रहे होंगे।

रात्रि में घर में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने रात्रि में घर में अनाधिकृत प्रवेश कर तोड़फोड़ और नुकसान पहुंचाने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला 26 अक्टूबर 2025 का है, जब मेहर सिंह सलूजा उर्फ क्रिश निवासी वार्ड 08 पंजाबी पारा बेमेतरा द्वारा तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए कंतैली स्थित कसार पेट्रोल पंप के सामने कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी, जबकि अन्य लोग घायल हुए थे। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने उसी रात करीब 8:30 से 10 बजे के बीच मेहर सिंह सलूजा के घर और दुकान पर पहुंचकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। आरोपियों ने घर के शीशे और पार्किंग में खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाया। इस घटना में करीब 25 लाख रुपए की क्षति होना पाया गया है। पुलिस ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना बेमेतरा में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 मार्च 2026 को पांच आरोपियों–युवराज साहू, समीर रजा, साहिल सोलंकी, भोला सोनी और जिवेश तिवारी–को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और शेष आरोपियों की पहचान कर जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सारंगढ़ की नई टीम का गठन, सरिया के आकाश नायक और शिवांशु गुरु को मिली अहम जिम्मेदारी..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के मार्गदर्शन में, संभाग प्रभारी रामू रोहरा एवं जिला प्रभारी शंकर अग्रवाल के निर्देशानुसार तथा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष माननीय राहुल टिकरिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति लाल पटेल की अनुशंसा पर युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हितेश अजगल्ले द्वारा जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की गई। इस संबंध में जिला कार्यालय द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य पदों पर नामों की घोषणा की गई है। इसी के तहत सरिया के पवन साहू, आकाश नायक को युवा मोर्चा जिला मंत्री तथा शिवांशु गुरु को मंडल अध्यक्ष सरिया की जिम्मेदारी दी गई है। इस जिम्मेदारी पर पवन साहू, आकाश तथा शिवांशु ने संगठन के सभी शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद और आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि वे सदैव संगठन हित में कार्य करेंगे तथा संगठन को मजबूती देंगे। इस नियुक्ति से युवाओं के बीच खुशी का माहौल है और सभी युवाओं ने बधाई दिया और विशेष रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

'समाधान योजना 2026' से ग्रामीणों को बड़ी राहत, ग्राम झाल में लगा जागरूकता शिविर, मौके पर हुआ बकाया बिलों का निराकरण

नवागढ़/मूक पत्रिका

बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता जे.एस. भटनागर के निर्देशानुसार वितरण केंद्र नवागढ़ के अंतर्गत ग्राम झाल में 'समाधान योजना 2026' के तहत एक व्यापक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उपभोक्ताओं को शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी देना तथा उन्हें बकाया बिजली बिलों में दी जा रही राहत से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक बताया कि समाधान योजना 2026 के अंतर्गत उपभोक्ताओं को पुराने बकाया बिजली बिलों में छूट एवं आसान किस्तों के माध्यम से भुगतान की सुविधा दी जा रही है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि यह योजना विशेष रूप से घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए बनाई गई है, ताकि वे आर्थिक बोझ से राहत पाकर नियमित उपभोक्ता बन सकें। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने मौके पर ही अपने लंबित बिजली बिलों का निराकरण कराया। कई उपभोक्ताओं ने योजना की सराहना करते हुए इसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की समस्याएं भी सुनीं और उनका त्वरित समाधान करने का प्रयास किया।

इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता (JE) मोहन दास बैरागी, लाइनमैन भोजेंद्र वर्मा एवं आकाश साहू उपस्थित रहे। उन्होंने उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल का भुगतान करने, अवैध कनेक्शन से बचने तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि समय पर भुगतान करने से उपभोक्ताओं को अतिरिक्त जुर्माने से बचा जा सकता है और विद्युत सेवाएं भी सुचारू रूप से मिलती हैं। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 'समाधान योजना 2026' का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने बकाया बिजली बिलों का शीघ्र निराकरण कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह योजना सीमित अवधि के लिए लागू है, इसलिए उपभोक्ताओं को समय रहते इसका लाभ लेने की सलाह दी गई है।

जल संरक्षण के लिए नौरंगपुर में जल अर्पण कार्यक्रम संपन्न

ग्राम पंचायत के सदस्यों को जल वितरण का कार्य हस्तांतरण कर किया सम्मानित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन में शनिवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम पंचायत नौरंगपुर में ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच, सचिव, पंचगण एवं जल वाहिनियों ने मिलकर जल उत्सव पखवाड़ा एवं जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के द्वारा ग्रामवासियों को जल जीवन मिशन योजना की जानकारी, योजना का संचालन एवं संधारण, जल कर संग्रहण, जल का महत्व एवं प्रत्येक घर में सोख्ता गढ्ढा बनाने समझाया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में पानी की गुणवत्ता एवं बीमारियों के प्रति जागरूकता लाने हेतु जल वाहिनियों को एफटीके किट के माध्यम से जल परीक्षण करना सिखाया गया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासियों को ग्राम पंचायत हस्तांतरण कर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन दल ने की देवांशी मिनरल वाटर प्लांट की जांच, अनियमितता पर पानी पाउच की 115 बोरी जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आयुक्त खाद्य सुरक्षा और कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश के पालन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुएबिलाईगढ़ क्षेत्र के सरसीवा में कार्यवाही की गई। टीम ने पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का निर्माण करने वाले इकाइयों पर दबिश दी और देवांशी मिनरल वाटर प्लांट से पानी पाउच का नमूना जांच हेतु लिया और साथ ही अनियमिताओं के आधार पर 115 बोरी पानी पाउच की जप्ती की। साथ ही क्षेत्र के विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया और आवश्यक हिदायतें दी। खाद्य दल ने बिना फूड रजिस्ट्रेशन के कारोबारकर्ता को नोटिस दिया। साथ ही दाल, अचार और मसाले का नमूना लिया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के द्वारा अपील की गई कि खाद्य पदार्थों को जांच परख कर ही खरीदें। खाद्य अधिकारियों ने व्यापारियों को समझाईस दी कि बिना उचित खाद्य लाइसेंस के खाद्य कारोबार न करें और खरीदी बिक्री उचित बिल रसीद के साथ ही कारोबार करें। विभाग की ओर से अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतनु भट्टाचार्य और वरुण पटेल शामिल थे।

मनरेगा कार्य में अनियमितता पर कार्यवाही, तकनीकी सहायक का सेवा समाप्त

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ वासु जैन ने मनरेगा कार्य में अनियमितता पर कार्यवाही करते हुए तकनीकी सहायक की सेवा समाप्त कर दी गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 07 जनवरी 2026 को दैनिक समाचार पत्र नव भारत में प्रकाशित शीर्षक ÷मनरेगा में 19.28 लाख की अनियमितता, काम शून्य, भुगतान पूरा÷ के संबंध में जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत गोबरा, जनपद पंचायत डभरा में मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2023 में स्वीकृत कार्य (समुदाय के लिए शाखा नहर का कार्य, पुनरुद्धार कार्य ङ्क छुहीपाली माइनर एवं सिंघरा वितरक) की जांच कराई गई। मौका जांच में उक्त स्वीकृत कार्य कराया जाना नहीं पाए जाने पर कार्यालयीन पत्र के माध्यम से नियमानुसार आरोप पत्र जारी कर 15 दिवस के भीतर जवाब चाहा गया। तत्पश्चात कार्यालयीन पत्र द्वारा अंतिम अवसर प्रदान करते हुए तकनीकी सहायक जनपद पंचायत डभरा संजय धीरहे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उत्तर प्रस्तुत करने कहा गया। संजय धीरहे द्वारा प्रस्तुत जवाब में संबंधित कार्य नहीं किया जाना स्वीकार किया गया, साथ ही गलत तरीके से मूल्यांकन किया जाना भी पाया गया। उक्त कृत्य को अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में पाते हुए छत्तीसगढ़ संविदा सेवा भर्ती नियम 2012 के तहत तकनीकी सहायक जनपद पंचायत डभरा संजय धीरहे की सेवा समाप्त की जाती है।

सत्यापन के बाद बढ़ा 319 क्विंटल धान, जांच की मांग

धान खरीदी केंद्र में बड़ा घोटाला?

बिलासपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के पचपेड़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बहतरा स्थित धान खरीदी केंद्र में कथित तौर पर बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। केंद्र के प्रबंधक उमाशंकर पटेल और ऑपरेटर नरेंद्र कुमार पटेल पर मिलीभगत कर धान खरीदी में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, केंद्र में धान खरीदी 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी थी और इसके बाद विधिवत सत्यापन भी किया गया। सत्यापन के दौरान कुल 40,135 क्विंटल धान दर्ज पाया गया था। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि 7 मार्च को रिकॉर्ड में धान की मात्रा बढ़कर 40,454 क्विंटल हो गई। यानी सत्यापन के बाद भी 319 क्विंटल धान की अतिरिक्त एंट्री कर दी गई। इस पूरे मामले में करीब 10 लाख रुपये के धान के हेरफेर की आशंका जताई जा रही है। अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह बंद हो चुकी थी और सत्यापन भी हो गया था, तब अतिरिक्त धान की एंट्री कैसे संभव हुई। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा मामला केंद्र प्रबंधक उमाशंकर पटेल और ऑपरेटर नरेंद्र कुमार पटेल की मिलीभगत से अंजाम दिया गया है। वहीं, जिला नोडल अधिकारी और सहकारिता विभाग के सीईओ गोदली वर्मा की भूमिका भी संदेह के घेरे में बताई जा रही है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि खबर सामने आने के बाद प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और जिम्मेदारों पर कब तक कार्रवाई होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।